



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 22, 1977 (आश्विन 30, 1899)
No. 43] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 22, 1977 (ASVINA 30, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 मितम्बर 1977

सं० ए० 12019/5/74-प्रश्ना० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, एतद् द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के सं० सं० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री म० सं० छाबडा को 12-9-77 से छः मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ अन्वेषक के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं ।

श्री छाबडा वरिष्ठ अन्वेषक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय के का० जापन सं० एफ० 10(24)-ई-III/60 दिनांक 4-5-61 में निहित उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा ।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव,

कृते अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग

अन्तरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

त्रिवेन्द्रम-695022, दिनांक 13 मितम्बर 1977

म० बी० एम० एम० सी०/स्था०/एन० टी० एफ०-77—विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र के निदेशक, निम्नलिखित अधिकारियों

की पदोन्नति होने के परिणामस्वरूप उन्हें अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं :

क्रम सं०	नाम	पदनाम	तारीख
1	2	3	4
1.	श्री बी० आर० प्रभाकर बैरियर	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	1-1-76
2.	श्री जी० गोपालकृष्णा	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	1-1-76
3.	श्री पी० रंगराजू	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	1-1-76
4.	श्री पी० एम० पौलूम	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	1-1-76
5.	श्री एन० अन्नणन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	26-10-76
6.	श्री एम० मुरलीधरन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	30-12-76

(4719)

1	2	3	4
7. श्री पी० यतिन्द्रन नायर	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-77	
8. श्री ए० बालासुब्रह्मणियन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-4-77	
9. श्रीमती पी० सी० एम्मी	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-4-77	
10. श्री जी० एस० थास	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-4-77	
11. श्री ए० अब्दुल रजाक	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-4-77	
12. श्री डब्ल्यू० टी० जोमेफ	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-4-77	
13. श्री ए० थोमस	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-4-77	

राजन बी० जार्ज,
प्रशासन अधिकारी-II (स्था०)
हस्ता निदेशक

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1977

स० पी० एफ०/एम-18/74-प्रशा०-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो भुवनेश्वर शाखा में वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में प्रतिनियुक्त उडीसा पुलिस के अधिकारी श्री एम० एस० चौधरी को दिनांक 31-8-77 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

उनकी सेवाएं दिनांक 1-9-77 के पूर्वाह्न से राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

बी० डी० पाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 सितम्बर 1977

स० 0.II-1073/77-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर विनोद कुमार को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर उनको 21 सितम्बर 1977 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

दिनांक 4 अक्टूबर 1977

स० 0.II-1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, ने डाक्टर बी० दलीप मूर्ती को, 17-9-1977 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने

तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 अक्टूबर 1977

स० ओ० दो० 678/71-स्थापना—श्री सरदारा सिंह, उप-पुलिस अधीक्षक, 35वीं बाहिनी, के० रि० पु० दल, 71 दिन का सेवा निवृत्ति अवकाश 22-8-77 से 31-10-77 तक के समाप्त होने पर इस दल में 31-10-77 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1977

स० 7 एफ० सी० 2(7)-ए०/77—आयोग की 28 जुलाई, 1977 की सम मख्यक अधिसूचना में सशोधन द्वारा डिप्लोम इन इकनामिक सर्विस के ग्रेड IV में स्थाई अधिकारी श्री पी० बी० धवन को, 24 जून 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक, 1100-1600 रुपए वेतनमान में सातवें वित्त आयोग के अध्यक्ष का निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

पी० एल० सकरवाल,
अवर सचिव

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1977

स० 3399-रा० स्था I/एम-88/पी० एफ० दिनांक 6-8-77—श्री मुशील कुमार मिस्त्री, भा० ले० तथा ले० प० सेवा को अपना नाम “मुशील कुमार राय” रखने की अनुमति दे दी गई है।

स० 3414-रा० स्था०-I/बी-38/पी० एफ० III—दिनांक 8-8-77—लोक हित में 23-4-1977 से भारत पेट्रोकेमिकल्स निगम लि० बड़ौदा में उनके स्थायी रूप से विलयन के फलस्वरूप केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियमावली 1972 के नियम 37 के अधीन श्री जे० एस० बक्शी, भा० ले० तथा ले० प० सेवा को उसी तारीख से सरकारी सेवा से व सेवा निवृत्त समझा जाता है।

स० 3425-रा० स्था० I/24-76—दिनांक 9-8-77—श्री आनन्द शर्मा, भा० ले० तथा ले० प० सेवा 21 मई, 1977 से भा० ले० तथा ले० प० सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी रूप से नियुक्त कर दिए गए हैं।

संख्या 3803-रा० भा० I/एस०-70/पी० एफ० भाग IV—दिनांक 30-8-77—श्री एम० पी० एस० मोधी, भा० ले० तथा ले० प० सेवा का सरकारी सेवा से इस्तीफा 3 जून 1977 से स्वीकार कर लिया गया है।

सं० 4033-ग० स्था० I/पी-12/पी० एफ० भाग II—दिनांक 15-9-77—लोक हित में 23-8-1976 से भारतीय इन्स तथा फार्मास्यूटिकल्स लि०, नई दिल्ली में उनके स्थायी रूप में विलयन के परिणामस्वरूप केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 37 के अधीन श्री वाई० पी० पासी, भा० ले० तथा ले० प० सेवा को उसी तारीख में सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त समझा जाता है।

एम० एम० बी० अन्नावी,
सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक
(कार्मिक)

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम)

इलाहाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1977

का० आ० सं० प्रशासन-I/11-144(XII)/205—महा-लेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने श्री हरीशचन्द्र श्रीवास्तव द्वितीय अनुभाग अधिकारी को 17-9-77 से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

नीलाम्बर श्रीवास्तव,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 23 सितम्बर 1977

क्रमांक-प्रशा०-1/311—सिविल सेवा विनियमावली (पेंशन) 1972 के नियम 43 के अन्तर्गत महालेखाकार-प्रथम ने श्री आर० के० पितले, स्थाई लेखा अधिकारी, को 31-8-77 अपराह्न में शासकीय सेवा से स्वेच्छिक निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

कृष्ण गोपाल,
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्ट्रिया

कलकत्ता, दिनांक 27 सितम्बर 1977

सं० 62/77/जी—महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्ट्रिया, निम्नलिखित स्थायी सहायको को, सहायक स्टाफ अफसर (वर्ग-II राजपत्रित) के पद पर, स्थानापन्न सदर्थ आधार पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई अवधि से पदोन्नति करते हैं :—

- (1) श्री नरेन्द्र नाथ घोष दिनांक 1-4-1977 से 29-5-1977 तक
दिनांक 30-5-1977 से आगामी आदेश होने तक।
- (2) श्री रामेन्द्र कुमार मित्र दिनांक 2-5-1977 से 24-7-1977 तक
दिनांक 1-8-1977 से आगामी आदेश होने तक।

डी० पी० चक्रवर्ती,
सहायक महानिदेशक I प्रशासन-II
रक्षे महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्ट्रिया

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1977

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/84/54-प्रशासन (राज०)/6903—सेवा निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर स्थायी उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात श्री जे० मुखर्जी ने 31 जुलाई, 1977 के दोपहर बाद से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में सेवा कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/176/54-प्रशासन (राज०)/6910—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र) के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थायी नियंत्रक, आयात निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इतर) और स्थानापन्न उप-मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात श्री डी० पी० माधुर का 18 जुलाई, 1977 को निधन हो गया।

सं० 6/1224/77-प्रशासन (राज०)/6933—राष्ट्रपति, केरल क्षेत्र, त्रिषेन्द्रम में क्षेत्रीय प्रबन्धक, श्री अरुण कुमार आई० ए० एम० (केरल-1965) को 29 अगस्त, 1977 के दोपहर पूर्व से आगे आदेश होने तक संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 सितम्बर 1977

सं० 6/122/77-प्रशासन (राज०)/6944—राष्ट्रपति, विशेष अधिकारी और सरकार के पदेन अवर सचिव, केन्द्रीय प्रशासन विभाग, गुजरात सरकार, गांधी नगर के श्री एन० सी० देव को 21 जुलाई, 1977 के दोपहर पूर्व से अहमदाबाद में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इस संगठन में श्री एन० सी० देव, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के रूप में अपने वेतनमान के साथ प्रतिमास 200 रुपये का विशेष वेतन भी प्राप्त करेंगे।

का० वे० शेषाद्रि,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1977

सं० ए० 19018/314/77-प्र० (राज०)—विकास आयुक्त लघु उद्योग केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-II के श्री बी० दोराइ स्वामी को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में सामान्य प्रशासन प्रभाग में प्रतिनियुक्ति के आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) नियुक्त करते हैं। श्री दोराइ स्वामी ने यथानुसार 24-8-1977 पूर्वान्त में विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में इस पद का कार्यभार सभाल लिया।

वी० वेक्टरायुलु,
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1977

सं 6/247(239)/59-II—जमशेदपुर निरीक्षणालय के अधीन उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) भिलाई के कार्यालय में महायक निरीक्षण अधिकारी (धातु रसायन) श्री ए० बी० मिह्ला का दिनांक 2-6-1977 को देहान्त हो गया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1977

सं ई-11(7)—इस विभाग के समय समय पर यथा-संशोधित 11 जुलाई, 1969 की अधिसूचना सं ई०-11(7) में निम्नलिखित जोड़ दिया जावे अर्थात्

श्रेणी-2 “नाइट्रेट मिश्रण” के अधीन

“मुपरडाइन” प्रविष्टि के पूर्व विनिर्दिष्ट स्थलों पर अभिप्रयोग विनिर्माण और क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु 31-8-1978 पर्यन्त “एस डी एस-500 कर्दम (स्लरी) विस्फोटको” को जोड़ दिया जावे।

इगुब तरसिह मुर्ति,
मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

इस्पात और खान मन्त्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं ई 1-12(8)/77(.)—लोहा और इस्पात नियन्त्रक एतद्द्वारा श्री एस० के० भट्टाचार्य स्थानापन्न लेखा अधिकारी को, कलकत्ता के पूर्वी रेलवे कार्यालय में इस कार्यालय में लेखा अधिकारी के रिक्त पद पर 31 अगस्त के द्विप्रहर में अगले आदेश तक स्थानापन्न प्रतिनियुक्ति नियुक्त करते हैं।

ए० सी० चट्टोपाध्याय,
उप लोहा और इस्पात नियन्त्रक,
कृते लोहा और इस्पात नियन्त्रक

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 29 सितम्बर 1977

सं ए० 19012(96)/77-स्था० ए०—श्री एस० के० शाहा स्थायी वरिष्ठ तकनीकी (भूवैज्ञानिक) को दिनांक 12-9-77 के पूर्वाह्न में आगामी आदेश तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग ‘ब’ के पद में नियमित आधार पर स्थानापन्न महायक खान भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

दिनांक सितम्बर 1977

सं ए-19012/85/77-स्था० ए०—भारतीय खान ब्यूरो के स्थायी अधीक्षक श्री जी० सी० शर्मा की 12 सितम्बर, 1977 के अपराह्न में आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग ‘ब’ के पद में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतन क्रम में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न महायक प्रशासन अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एल० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष,
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं 4(35)/77-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री सुरेन्द्र चुबीलाल टप्पा को, आकाशवाणी, पुणे में 14-9-77 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं 4(54)/77-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री रुणीकुमार शास्त्री को, आकाशवाणी अहमदाबाद में, 15 सितम्बर, 1977 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं 2(89)-77-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जे० एन० जोशी को, आकाशवाणी, भुज में 1-9-77 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं 4(57)/77 एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री हरेन्दर कुमार कोटिया को, आकाशवाणी, रायपुर में 30-8-77 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 सितम्बर 1977

सं 4(80)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री कृष्णराव एल० यादव को, आकाशवाणी, नागपुर में 20 अगस्त 1977 (अपराह्न) में अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 अक्टूबर 1977

सं 4(55)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एन० एन० व्यास को, आकाशवाणी, बम्बई में, 12-9-1977 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

तन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन निदेशक,
कृते महानिदेशक।

नई दिल्ली दिनांक 30 सितम्बर 1977

सं 10/41/77-एम०-3—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री मधुराम को, तारीख 2-9-1977 से आकाशवाणी, बम्बई में, स्थापनापन्न रूप से सहायक इंजीनियर नियुक्त करने हैं।

सं 10/71/77-एम०-3—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री योगेन्द्र कुमार को, 22-8-1977 से आकाशवाणी, कोहिमा में, स्थापनापन्न रूप से सहायक इंजीनियर नियुक्त करने हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक।

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1977

सं सं 1 (6)/76-स्थापना (2)—श्री राम प्रकाश चन्दर को विस्तार शिक्षण सम्मान, नीलोखेड़ी जिला करनाल (हरियाणा) में मुख्य शिक्षक (कार्यशाला) समूह 'बी' (राजपत्रित) के रूप में सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अस्थायी तौर पर दिनांक 23 अगस्त, 1977 के अग्रगण्य से अगले आदेश तक नियुक्त किया गया।

चन्दर प्रकाश,
निदेशक प्रशासन।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26 दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं ए०-12026/7/75-मिबन्दी-I—श्री एम० चन्द्रन नायर स्थापनापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी, प्रशासकीय अधिकारी होने के कारण फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने, श्री व्ही० आर० पामवानी, स्थायी अधीक्षक फिल्म प्रभाग बम्बई, को स्थापनापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर दिनांक 1-8-1977 के पूर्वाह्न से 30-8-1977 के अग्रगण्य तक नियुक्त किया था।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता।

केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा सम्मान

बम्बई-58 दिनांक 29 सितम्बर 1977

सं 1-13/77-स्था०/6666—निदेशक केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा सम्मान, बम्बई श्री मुधीर कुमार भटनागर को 23 अप्रैल 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अस्थायी आधार पर निदेशक (क्राफ्ट और गियर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 सितम्बर 1977

सं 43/2/77/स्था०-6698—निदेशक केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा सम्मान बम्बई श्री पंकज कुमार बैजल को 22 अगस्त 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अलवण जलीय मछली फार्म बलभद्रपुरम में अस्थायी आधार पर सहायक अभियन्ता (मछली फार्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री० ना० द्विवेदी,
निदेशक।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं ए० 12025/26/76-(के० स्वा० जि० व्यूरो) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सुदर्शन कुमार भगन को 3 सितम्बर 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में तकनीकी अधिकारी (प्रदर्शनी) के पद पर, अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 29 सितम्बर 1977

सं ए० 12026/24/77-(एच० क्यू०) प्रशासन-I—श्री के० सी० गगले के छुट्टी चले जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० ए० जर्मी को 13 सितम्बर 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय औषधि मानक नियन्त्रण संगठन में तकनीकी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 1 अक्टूबर 1977

सं फाईल 4-6 (12)/77-प्र०-III—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० सम दिनांक 15-4-77 द्वारा अधिसूचित दिनांक 28-3-77 (पूर्वाह्न) से 6 माह की अल्पकालीन अवधि के लिए सहायक विपणन अधिकारी वर्ग I, के पद पर श्री एन० बी० भट्टाचार्य की नियुक्ति को, आगे की अवधि के लिए जो तीन माह से अधिक नहीं है, या जब तक कोई नियमित प्रबंध होते हैं, दोनों में पहले जो भी घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं० फाईल 4-6 (119)/77-प्र० III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 19-3-77 द्वारा अधिसूचित दिनांक 8-3-77 (अपराह्न) से, 6 माह की अल्पकालीन अवधि के लिए सहायक विपणन अधिकारी वर्ग I, के पद पर श्री आर० सी० मिश्र की नियुक्ति को आगे की अवधि के लिए, जो तीन माह से अधिक नहीं है, या जब तक नियमित आधार पर कोई प्रवध होते हैं, दोनों में पहले जो भी घटित हो बढाया जा चुका है।

दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० फाईल 4-6 (10)/77-प्र० III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 25-3-77 द्वारा अधिसूचित दिनांक 28-2-77 (पूर्वाह्न) से 6 माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर सहायक विपणन अधिकारी वर्ग I, के पद पर श्री जी० के० घोष, की नियुक्ति को, आगे की अवधि के लिए जो तीन माह से अधिक नहीं है, या जब तक कोई नियमित प्रवध होते हैं दोनों में से पहले जो भी घटित हो, बढाया जा चुका है।

सं० फाईल 4-6 (116)/77-प्र० III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 11-4-77 द्वारा अधिसूचित, दिनांक 25-3-77 (पूर्वाह्न) से 6 माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग I, के पद पर श्री एच० एन० शुक्ल की नियुक्ति को, आगे की अवधि के लिए, जो तीन माह से अधिक नहीं है, या जब तक कोई नियमित प्रवध होते हैं, दोनों में से पहले जो भी घटित हो, बढाया जा चुका है।

वी० पी० चावला,
निदेशक, प्रशासन
कृषि विपणन सलाहकार

नागपुर, दिनांक 1 मितम्बर 1977

सं० फा० 3 (44)9/72-वि० II—भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त विभाग (केन्द्रीय राजस्व), वित्त मन्त्रालय, (राजस्व मंडल) की अधिसूचनाओं सं० 12 दिनांक 9-6-1945 सं० 1 कैम्प दि० 5-1-1946 सं० 6 दि० 5-2-1949 सं० 64 दि० 17-6-1961 के लिए मैं एड् द्वारा श्री डी० जी० पाटील, वरिष्ठ विपणन अधिकारी और श्री ए० सुब्बाराव, विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से तम्बाकू जमका श्रेणीकरण तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्न नियम और कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्न) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन सूचीकृत उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

ह० अपठनीय
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई, 400085 दिनांक 27 अगस्त 1977

सं० एच/257/टी० एम० डी०/स्थाप० IV/7463—निम्नलिखित आदेश जो 19 जुलाई 1977 को रसीदी रजिस्ट्री द्वारा इस अनुसंधान केन्द्र के श्री आर० आई० हकीम, कारीगर-ए को उनके पते पर भेजा गया था, डाक अधिकारियों की तारीख 22 जुलाई 1977 की इस टिप्पणी के साथ 'चला गया—पता नहीं मालूम' वापिस आ गया। अतः इस आदेश को राजपत्र में प्रकाशित करना है।

“आदेश”

केन्द्रीय सिविल सेवायें (अस्थाई सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसार, मैं इस अनुसंधान केन्द्र के तकनीकी सेवायें प्रभाग के श्री आर० आई० हकीम, कारीगर-ए को सूचना देता हूँ कि इस आदेश के तामील होने की तारीख के एक महीने की अवधि खत्म होने पर या जिस दिन यह आदेश उन्हें मिल जाये या विया जाये या जैसी भी हालत हो, उनकी सेवायें निलम्बित समझ ली जायेगी।

पृथ्वी राज मेर,
अध्यक्ष, कार्मिक प्रभाग

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400 001, दिनांक 22 अगस्त 1977

सं० डी० पी० एस०/23/8/77-स्था०/20622—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय के निम्नलिखित सहायक लेखा अधिकारियों को, उसी निदेशालय में उनमें से प्रत्येक के नाम के सामने लिखी अवधि के लिए रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	अवधि	टिप्पणी
1	श्री वी० के० पोतवार	25-4-77 (पूर्वाह्न) से 25-6-77 (अपराह्न) तक	लेखा अधिकारी-II श्रीमती बी० शकुन्तला, जिनकी छुट्टी स्वीकृत हो गई है, के स्थान पर।
2.	श्री पी० एम० राव	2-5-77 (पूर्वाह्न) से 25-6-77 (अपराह्न) तक	लेखा अधिकारी-II श्री जी० एल० हाल्दीपुर, जिनकी छुट्टी स्वीकृत हो गई है, के स्थान पर

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद- 500 016, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० ए० एम० डी०-4/3/77-प्रशामन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक चिकित्सक डा० एच० बी० एम० ग्रेवाल को इसी प्रभाग में दिनांक 1-3-1977 में उपरोक्त लिखित पद बेतनमान (रु० 650-1200) पर एतद्वारा मौलिक रूप से स्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

ग० रा० उदास,
निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग

तारापुर परमाणु बिजलीघर

महाराष्ट्र 401504, दिनांक 23 सितम्बर 1977

शुद्धि पत्र

सं० टी० ए० पी० एम०/2/551/67—दिनांक 6 सितम्बर, 1977 की अधिसूचना सं० टी० ए० पी० एम०/2/551/67 में दिनांक "25 मई, 1977" के स्थान पर दिनांक "25 अगस्त, 1977" प्रतिस्थापित कर दिया जाये।

डी० बी० मरकले,
मुख्य प्रशामन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० ई० (I) 07197—वेधशालाओं के महानिदेशक, नयी दिल्ली, श्री बृजभूषण को 8 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक, भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी (केंद्रीय मिथिल सेवा, ग्रुप-बी) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बृजभूषण को निदेशक, प्रादेशिक मौसम केंद्र, कलकत्ता के अन्तर्गत मौसम केंद्र, गौहाटी में तैनात किया जाता है।

एम० आर० एन० मणियन
मौसम विज्ञानी
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 29 सितम्बर 1977

सं० ई० (I) 05868—वेधशालाओं के महानिदेशक वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री चन्द्र प्रकाश को 12-9-77 से 9-12-77 तक 89 दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चन्द्र प्रकाश स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सी० जी० बाभमुख्यापन्न,
मौसम विज्ञानी
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1977

सं० ए०-31013/3/76-ई ए—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को 13 सितम्बर, 1977 से नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग और विमान क्षेत्र सगठन में वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है :—

1. श्री एम० एम० जोगलेकर
2. श्री बी० के० रामाचन्द्रन
3. श्री एल० बी० टिमिन्स
4. श्री एम० एम० साइमन
5. श्री एस० भट्टाचार्य
6. श्री एच० के० सच्चदेव
7. श्री टी० आर० चन्द्रमौलि
8. श्री एस० एस० बेवली
9. श्री प्रेम नाथ

एस० एल० खण्डपुर, उप निदेशक प्रशा०

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1977

सं० ए० 38012/1/77-ईसी—नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट के श्री जे० एस० वेदी, सहायक संचार अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 अगस्त, 1977 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 27 सितम्बर 1977

सं० ए-12025/8/75-ईसी—राष्ट्रपति ने संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री सूर्य नारायण मूर्ति को 31 अगस्त, 1977 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार सगठन में स्थानापन्न रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई में तैनात किया है।

सं० ए 32013/9/76-ईसी—इस विभाग की तारीख 6 जुलाई, 1977 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/76-ईसी के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन तकनीकी अधिकारियों

की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर हुई तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31-8-1977 तक बढ़ा दी है—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	श्री एन० आर० स्वामी	नियन्त्रक, वैमानिक निरीक्षण, नागर विमानन विभाग, हैदराबाद
2	श्री बी० के० खण्डेलवाल	नियन्त्रक, वैमानिक निरीक्षण, नागर विमानन विभाग, कलकत्ता
3	श्री एस० के० सरस्वती	निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली

सं० ए० 32013/11/76-ईसी—राष्ट्रपति, ने श्री बी० जी० शा, संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर को 11-8-77 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई में तैनात किया है।

दिनांक 29 सितम्बर 1977

सं० ए 32013/6/77-ईसी—राष्ट्रपति ने श्री के० सुरेन्द्र, तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बर्बई को 30-5-77 पूर्वाह्न से 28-10-77 तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, पालम में तैनात किया है।

(इसके द्वारा इस विभाग की 4 अगस्त/16 अगस्त, 1977 की अधिसूचना सं० ए० 32013/6/77-ईसी की क्रम सं० 4 रद्द की जाती है।)

बी० बी० जोहरी, सहायक निदेशक प्रणामन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 3 सितम्बर 1977

सं० 16/208/72-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने श्री पी० के० जकरिया सहायक शिक्षक दक्षिणी वन राजिक महाविद्यालय, कोयम्बटूर की सेवाये दिनांक 7 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से महर्षि केरल सरकार को पुनः सौंप दी है।

पी० आर० के० भटनागर, कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय

इलाहाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1977

सं० 22/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मण्डल, मुरादाबाद में तैनात केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के स्थायी अधीक्षक श्री एच० सी० दीवान, 31-7-1977 को दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० 23/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मण्डल, मुरादाबाद में तैनात केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के स्थानापन्न अधीक्षक श्री के० सी० अग्रवाल, 31-7-1977 को दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० 24/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात श्री बी० एम्० मिह, स्थायी अधीक्षक श्रेणी 'ख' दिनांक 31-7-1977 को दोपहर के बाद सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के० पी० आनन्द, समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

बड़ौदा, दिनांक 14 सितम्बर 1977

सं० 10/77—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा समाहर्ता कार्यालय के सहायक समाहर्ता श्री आई० एल० बशी, दिनांक 31 अगस्त, 1977 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए हैं।

कु० श्री० दिलिपमिहजी, समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय

पश्चिम बंगाल कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अक्टूबर 1977

सं० II (3) 167/ईटी/डब्ल्यू-बी/77/23939—879D—भारत सरकार, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क बोर्ड, नई दिल्ली के पत्र एफ० सं० ए-12026/8/875-सी० ई० आर० सी० (प्र०) दिनांक 26 अप्रैल, 1977 और इस कार्यालय के पृ० मि० सं० 11(31)31/ईटी/डब्ल्यू बी/76/9278-92 सी० दिनांक 5 मई, 1977 के द्वारा जारी कार्यालय आदेश दिनांक 5 मई, 1977 के अनुसरण में, श्री मिथिनाथ झा, हिन्दी अनुवादक, केन्द्रीय उत्पाद समाहर्तलिय, पटना ने 30/6/77 (अप०) में कार्यभार से मुक्त होकर केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में दिनांक 11/7/77 (पूर्वा०), को हिन्दी अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

अ० कु० भौमिक, समाहर्ता

केन्द्रीय सीमा शुल्क तथा उत्पादन शुल्क समाहर्ता का

कार्यालय, शिलांग

शुद्धि-पत्र

शिलांग 3 अक्टूबर 1977

सी सं० II/3/32/ईटी/70—केन्द्रीय सीमा शुल्क तथा उत्पादन शुल्क विभाग के शिलांग कलक्टरेट द्वारा क्रमिक न० सी० एन०

श्री० II/3/32/ईटी/70/462, से तारीख 3-8-77 को प्रचारित अधिसूचना नं० 8/77 तारीख 1-8-77 को शुद्धि-पत्र.—

उक्त अधिसूचना में आगतलास्थित ग्रुप “बी” अधीक्षक श्री ए० के० दाम, पुरकायस्थ के भार ग्रहण की तारीख 22-7-77 (पूर्वाह्न) के बदले 20-7-77 (पूर्वाह्न) मान ली जाय ।

टी० बोछाग
महायक समाहर्ता (मुख्यालय),
केन्द्रीय सीमा शुल्क तथा उत्पादन शुल्क
शिलांग

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

स० ए०-19012/521/74-प्रशा०-पांच—जल तथा विद्युत् विकास परामर्श सेवाएँ (भारत) लि० से वापस आने पर श्री एस० एम० सच्चर ने केन्द्रीय जल आयोग में महायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पद का कार्यभार 24 मितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न में संभाला ।

जे० के० माहा, अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

मध्य रेलवे

बम्बई, दिनांक 28 सितम्बर 1977

स० एच० पी० बी०-220/जी० एम०—भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरी सेवा के अधिकारियों को उनके मामले दिखाई गई तारीख से प्रथम वेतनमान में स्थायी किया गया है ।

नाम	स्थायीकरण की तारीख
1. श्री एम० भट्टाचार्य	21-2-67
पु० रा० पुसालकर, महाप्रबन्धक	

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

विधि लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स धौलपुर एग्रो
एण्ड कांटेज इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

खालियर, दिनांक 28 जून 1977

स० 1190—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धौलपुर एग्रो एण्ड कांटेज इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

2-296G1/77

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स राजस्थान
फार्मस कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

खालियर, दिनांक 28 जून 1977

स० 1192—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स राजस्थान फार्मस कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स धौलपुर
कोलोनाइजर्स एण्ड एग्रो डवलपमेंट कम्पनी
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

खालियर, दिनांक 28 जून 1977

स० 1193—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धौलपुर कोलोनाइजर्स एण्ड एग्रो डवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स धौलपुर
एग्रीकल्चरल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

खालियर दिनांक 28 जून 1977

स० 1194—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धौलपुर एग्रीकल्चरल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर होटीकल्चर
एण्ड एग्रीकल्चर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

खालियर, दिनांक 28 जून 1977

स० 1197—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धौलपुर होटीकल्चर एण्ड एग्रीकल्चर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स धौलपुर फायनेन्सर्स
एण्ड इन्वेस्टर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

खालियर, दिनांक 28 जून 1977

स० 1198—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धौलपुर फायनेन्सर्स एण्ड इन्वेस्टर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स धौलपुर मर्केंटाइल एण्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

श्वलियर, दिनांक 28 जून 1977

सं० 1199—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स धौलपुर मर्केंटाइल एण्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जसराम बौहरा,
कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, श्वलियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मार्निंग एण्ड इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० 14691/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मार्निंग एण्ड इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कानाईराय चौधुरी एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० 24/87/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि कानाईराय चौधुरी, एण्ड क० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कलकत्ता इक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० 26901/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि कलकत्ता इक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लिब्रारिटी कम्पनी लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० 14487/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्

द्वारा सूचना दी जाती है कि लिब्रारिटी क० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० नाथ
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गणेश चिट फंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० 809/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि गणेश चिट फंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेक्स इजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० 5655/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेक्स इजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होमियो एण्ड ब्यो कम्पनी लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० 5760/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि होमियो एण्ड ब्यो कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सबरि ऐजन्सीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० 6376/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि सबरि ऐजन्सीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

के० पञ्चापकेशन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अमृत बैंक लि०
के विषय में

जालन्धर, दिनांक 30 मार्च 1977

सं० 149/560/7370—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अमृत बैंक लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और व्हीटो लेबोरेट्रीज लिमिटेड (लिक्वीडेशन) के विषय में

जालन्धर, दिनांक 30 मार्च 1977

सं० स्टेट/1320/560/7374—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि व्हीटो लेबोरेट्रीज लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्योर मिलक सप्लाइ कम्पनी लिमिटेड (लिक्वीडेशन) के विषय में

जालन्धर, दिनांक 30 सितम्बर 1977

सं० स्टेट/1786/7383—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्योर मिलक सप्लाइ कम्पनी लिमिटेड (लिक्वीडेशन) का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्यप्रकाश तायल

कम्पनियों का पंजीकार प०, हि० प्रदेश व चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वैश्य वैनैफिट चिट फण्ड लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1977

सं० 3892/7737—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वैश्य वैनैफिट चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

मनमोहन सिंह जैन,

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ

आयकर विभाग

लखनऊ, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 78—श्री महेशचन्द्र, आयकर निरीक्षक, कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ को आयकर अधिकारी, वर्ग 'ख' के पद पर आफिसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान

में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने तारीख 28-6-77 के पूर्वान्त में आयकर अधिकारी, बी०वाडें, वेतनवृत्त, लखनऊ के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 79—श्री जे० एम० जोशी, आयकर निरीक्षक, कार्यालय आयकर आयुक्त, इलाहाबाद, को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफिसिएट करने के लिये रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने तारीख 30-6-77 के पूर्वान्त में आयकर अधिकारी (लेखा परीक्षा), इलाहाबाद के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 80—श्री आई० सी० चटर्जी, आयकर निरीक्षक, कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफिसिएट करने के लिये रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 28-6-77 के पूर्वान्त से कार्यालय आयकर आयुक्त लखनऊ में आयकर अधिकारी (मुख्यालय) तकनीकी और जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 81—श्री बी० के० पाण्डे, आयकर निरीक्षक, कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (लेखा परीक्षा) लखनऊ को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 30-6-77 के पूर्वान्त से आयकर अधिकारी डी०वाडें, बरेली के रूप में कार्यभार संभाला।

एस० के० लाल,

आयकर आयुक्त, लखनऊ

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल)

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1977

विषय—अधिकार क्षेत्र-निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त (सेन्ट्रल) नई दिल्ली के दो नए रेंजों का बनाया जाना।

सं० एस० आई०/जुरि०-2/सी०/77-78/3063—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल), नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नई दिल्ली में निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त (सेन्ट्रल) रेंज-4, तथा निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, (सेन्ट्रल) रेंज-3, नई दिल्ली नामक दो नए रेंज बनाए जायेंगे।

यह आदेश 7-9-1977 से लागू होगा।

विषय—अधिकार-क्षेत्र, नई दिल्ली में दो नए सेन्ट्रल सर्किलों का बनाया जाना।

सं० एस० आई०/जुरि० (1)/सी०/77-78/3062—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की

उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल), नई दिल्ली निदेश देते हैं, कि नई दिल्ली में आयकर अधिकारी सेन्ट्रल सर्किल-16 तथा आयकर अधिकारी सेन्ट्रल सर्किल-17, नई दिल्ली नामक दो नए सर्किल बनाए जायेंगे।

आयकर अधिकारी सेन्ट्रल सर्किल-16 तथा सेन्ट्रल सर्किल-17 नई दिल्ली ऐसे मामलों के बारे में अपने कार्य करेंगे जो उन्हें आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 की उपधारा (1) के अन्तर्गत यथास्थिति आयकर आयुक्त अथवा बोर्ड द्वारा सौंपे जाएं।

यह आदेश 7-9-77 से लागू होगा।

एन० एस० राघवन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल)
नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-2
नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर, 1977

आयकर

सं० जुरि०/दिल्ली/2/77-78/24570—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में दिनांक 1-5-76 तथा 17-1-77 के आदेश सं० क्रमशः जुरि०/दिल्ली/2/76-77/2667 तथा जुरि०/2/76-77/43305 में आशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची में कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे। किन्तु इसमें उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे।

अनुसूची

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का पदनाम	अधिकार-क्षेत्र
1	2	3
1.	आयकर अधिकारी डि०-6 (6) नई दिल्ली।	(क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर

1	2	3
		'ए' से 'एम' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हों। किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिकारी, डि-6 (1), नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।
	(ख) उपरोक्त मद (क) में आने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति।	
2.	आयकर अधिकारी, डि-6 (6) अतिरिक्त नई दिल्ली।	(क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, मामलों या मामलों के वर्ग, जिनके नाम अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर 'एन से जेड' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हों। किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिकारी, डि-6 (1) नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।
		(ख) उपरोक्त मद (क) में आने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति।

यह अधिसूचना 1-10-1977 से लागू होगी।

ए० सी० जैन
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2,
नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त, पंजाब

अमृतसर दिनांक 1 अक्टूबर 1977

सं० सी० बी०-4/जिल्द-V/1417—श्री देवराज गुप्ता, आयकर अधिकारी, द्वितीय श्रेणी, दिनांक 31-8-1977 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

ब० र० अबरोल
आयकर आयुक्त, अमृतसर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० 105/77-78 :—यत, मुझे, (के०
एस० वेक्टरामन]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० 5-3-919 ग० 923 है, जो मोजम जाई
मारकेज्ज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-
2ब 77।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सैयद महबूब सैयद काइरी मलकपेट हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री हाजी अहमद हुसैन, (2) हाजी अहमद मैमद
(3) हाजी अहमद अनवर, (4) हाजी अहमद
यूनुस, (5) हाजी अहमद योसीन (6) हाजी अहमद
वहीद रहते हैं महबूब मन्जिल नूरकान बाजार
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-3-919 ता-923 मूजमजाही मार्गकीट, हैदराबाद
विस्तर्ण 700 वर्ग यार्ड दस्तावेज नं० 472/77 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेक्टरामन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख : 7-10-1977।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा का कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 30 सितम्बर 77

निदेश न० ए० पी० 24/77-78 —यत, मुझे, पी० एन० मलिक ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो वजीरपुर मो० मार्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम प्रताप, राम नरेन, नेत राम, राजा राम, तुलसी, रामेश्वरी पुत्र, पुत्रीया श्री कृष्ण इन्द्र जीत सुन्दर देवी, मरला देवी, पुत्रीया राम गोपाल वेदा श्री कृष्ण वासी बजीद पु० मोमा ।

(अन्तरिती)

(2) श्री हरजिन्दर सिंह, गुरविन्दर सिंह, बलराज सिंह बेटा जर्नैल सिंह बेटा अर्जन सिंह गांव लकड़वाला तहसील फाजिल्का ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रूची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वजीरपुर मोमा में 95 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि रजिस्ट्री न० 1603 जनवरी, 1977 में है ।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भटिंडा

तारीख : 30-9-77

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज भटिंडा का कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 30 सितम्बर 77

निर्देश न० ए० पी० 23/77-78 —यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जो वजीद पुर मांगा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राम प्रताप, राम नरैन, नेत राम, राजा राम, तुलसी, रामेश्वरी घेटिया जी० कृष्ण वेदा सरदूल इन्द्रजीत विश्रमजीत मुन्दर देवी, शीला, मुमित्रा, मंगला बेटिया राम गोपाल, बामी बजीदपुर, तहसील फाजिल्का।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजिन्दर सिंह, गुरमिन्दर सिंह बलराज सिंह बेटा जगनैल सिंह बेटा अर्जुन सिंह बामी लकड़ वाला तहसील मुकमर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वजीद पुर में 95 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि रजिस्ट्री न० 1611 जनवरी, 1977 में लिखित है।

पी० एन० मलिक,

मक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भटिंडा

तारीख : 30-9-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भटिडा कार्यालय

भटिडा, दिनांक 28 सितम्बर, 77

निदेश नं० ए० पी० 25/ 77-78.—यतः मुझे पी० एन०
मलिक।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है है तथा
जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 2-2-1977।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुरबचन सिंह पुत्र धर्म सिंह बेटा चुहर सिंह
वासी मोगा महिला सिंह
(अन्तरक)

(2) मीनाक्षी फिल्मस कारपोरेशन मोगा
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोगा महिला सिंह में 9 मरला और 3 मरमाई जमीन जैसा
कि रजिस्ट्री न० 6375 तारीख 2/2/77 में है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन इलाका-2, बम्बई।

अर्जन रेज भटिडा

तारीख . 28-9-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 सितम्बर 77

निर्देश न० ए०पी० 26/77-78—यतः, मुझे पी०एन० मलिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (और इससम्बन्धी अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-2-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

3—296GII76

(1) श्री अर्जन सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री मुहर सिंह मोगा महिला सिहा ।

(अन्तरक)

(2) मीनाक्षी फिल्मस कारपोरेशन मोगा द्वारा कुन्दन सिंह पुत्र कन्हैया लाल मोगा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक कनाल 5 मरले 5 सरमाई और 9 वर्ग फुट का प्लाट जो मोगा महिला सिंह में जैसा कि रजिस्ट्री न० 6362 तारीख 1-2-77 में है ।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 28-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 सितम्बर, 77

निदेश नं० ए० पी० 27/77-78 --- यतः, मुझे पी० एन०
मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है तथा
जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 15/2/1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अन्तरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री अर्जन सिंह बेटा प्रताप सिंह बेटा चुहर सिंह बासी
अगवाड पाले के मोगा महिला सिंह।

(अन्तरक)

(2) मीनाक्षी फिल्मस कारपोरेशन मोगा द्वारा हरजीत
सिंह बेटा चरण सिंह बासी मोगा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक कनाल 6 मरले और 28 वर्गफुट जमीन मोगा महिला
सिंह में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 6617 तारीख 15/2/77 में है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज भटिंडा

तारीख : 28/9/77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 सितम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 28/77-78—यतः, मुझे पी० एन० मलिक ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28/3/1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अर्जन सिंह पुत्र प्रताप सिंह पुत्र चुहर सिंह वासी मोगा महिला सिंह ।

(अन्तरक)

(2) मीनाक्षी फिल्मस कारपोरेशन मोगा द्वारा श्री प्रशोत्तम लाल पुत्र श्री प्रकाश चन्द मोगा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट एक कनाल छः मरले और 28 वर्ग फुट मोगा महिला सिंह में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 7313 तारीख 28/3/77 में है ।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 28/9/77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 सितम्बर, 1977

निदेश न० ए० पी० 32/ 77-78 :—यतः, मुझे पी० एन०

मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13/5/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुख्तियार सिंह बेटा ठाकर सिंह बेटा हजार सिंह नानक नगरी मोगा द्वारा माधो प्रसाद बेटा बट्टी प्रसाद मुख्तियार खास मोगा।

(अन्तरक)

(2) श्री महिन्द्र सिंह बेटा ईश्वर सिंह बेटा हजार सिंह मार्फत कलसी इंजीनियरिंग वर्क्स मजेसटिक रोड मोगा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग जिसमें एक हाल और एक दफतर है। रकबा तकरीबन 9 मरले जैसा कि रजिस्ट्री नं० 606 तारीख 13/5/77 में है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भटिंडा

तारीख : 28-9-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 28 सितम्बर, 1977

निदेश नं० ए० पी० 33/77-78—यतः, मुझे, पी० एन०
मलिक, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है तथा
जो दिवान खेरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
30 मार्च, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सडा राम पुत्र चानन राम पुत्र मधु राम वासी
दिवान खेरा तहसील फाजिल्का

(अन्तरक)

(2) कुमारी ईशरा रानी बेटी भगवान दास पुत्र लहना
राम गांव कुकडा वाली तहसील फतहबाद जिला
हिसार ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गांव दिवान खेरा में 31 कनाल, 1 मरला जमीन जैसा कि
रजिस्ट्री नं० 2418, तारीख 30-3-77 में है ।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, भटिडा

तारीख : 28-9-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 सितम्बर, 1977

निदेश नं० ए० पी० 34/77-78—यतः, मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री इन्द्र राज और राम कुमार बेटे श्री राम कृष्ण वासी अबोहर तहसील, फाजिल्का।

(अन्तरक)

(2) श्री अनील कुमार बेटा श्री बनवारी लाल वासी अबोहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर गांव में 111 वर्ग गज जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 62 तारीख 12-4-77 में है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 28-9-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 29 सितम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 35/77-78.—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लालेवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री अजीत सिंह बेटा सुन्दर सिंह गांव कंग (अन्तरक)
- (2) श्री पुन्नू अमर सिंह बेटा गोपी गांव वजीदपुर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

168 कनाल जमीन गांव लालेवाल में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4294 तारीख 3-2-77 में है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज भटिंडा

तारीख : 29-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 8 सितम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 29/ 77-78—यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो गांव भोगा महिला सिंह में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1 सर्वश्री करनैल सिंह और जसमेल सिंह, पुत्रान पूर्ण सिंह, 2. बिकर सिंह, जसवत सिंह उर्फ बसंत सिंह, बंता सिंह और दर्शन सिंह पुत्रान अमर सिंह, भोगा ।
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री राम कृष्ण, हरी कृष्ण और शाम लाल, पुत्रान पीर दास मल, राम गोपाल, सुशील कुमार, कमल कुमार, और पाल कुमार, पुत्रान पद्मा लाल वासी, भोगा ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भोगा में एक कनाल 2 मरला जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 6462 तारीख 9-2-77 में है

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भटिंडा ।

तारीख : 8-9-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 सितम्बर, 1977

निदेश नं० ए० पी० 30/77-78—यत मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्त में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः—

4-296GI/77

(1) श्री धर्मपाल बेटा जगत राम बेटा काशीराम सिवल लार्डिन, मोगा

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र प्रकाश मदान बेटा सुखदयाल वासी जी० टी० रोड, मोगा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है [वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोगा महिला सिंह में 16 सरला 6½ सरसाही जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 664 तारीख 18-5-77 में है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 28-9-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 मितम्बर 77

निदेश न० ए० पी० 31/ 77-78 --यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दाना मंडी, मोगा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, फरवरी, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कालू राम उर्फ रमेश कुमार बेटा राम सरूप कपड़ा विक्रेता न्यू टाउन रोड मकान न० 31 मोगा।

(अन्तरक)

(2) श्री सीता राम नरैन, दास कमीशन अजेंट दाना मंडी मोगा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है [वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोगा गांव में 4 मरला जमीन जैसा कि रजिस्ट्री न० 6778 तारीख 23-2-77 में है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 28-9-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 8 सितम्बर 1977

निर्देश सं० ए० पी० 36/ 77-78—यत, मुझे पी० एन०
मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बलुआना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ठाकुर दास बेटा महला राम अबोहर हिस्सेदार
बलुआना तहसील, फाजिल्का।

(अन्तरक)

(2) श्री चम्बा राम बेटा शैब दित्त बासी बलुआना।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है [वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है।]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बलुआना में 40 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि रजिस्ट्री
न० 2365 तारीख 25-3-1977 में है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख . 28-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 29 सितम्बर 1977

निर्देश नं० ए० पी० 37/77-78 ---यतः, मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा शेदगी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बलदेव सिंह बेटा भगवान सिंह मेवदार फगवाड़ा शेदगी ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरमीत चन्द बेटा उजागर मल पलाही गेट, फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है [वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है] ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण--इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है ।

अनुसूची

11 कनाल 11 सरले जमीन फगवाड़ा शेदगी में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1614 तारीख 8-2-1977 में है ।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख . 29-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 29 सितम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 38/77-78—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामा मल बेटा गुजर मल मलिक चमन इंजीनियरिंग वर्क्स इण्डस्ट्रीयल एरिया, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) बासान सिंह बेटा रंगा सिंह मलिक वास को इण्डस्ट्रीज एरिया, फगवाड़ा।

(3) जैसा कि न० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है [वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है]।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 19 जो कि 979 वर्ग गज और 4½ वर्गफुट इण्डस्ट्रीयल एरिया फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1634 फरवरी 1977 में है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिडा

तारीख : 29-9-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 29 सितम्बर 1977

निर्देश न० ए० पी० 39/ 77-78 —यतः, मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/2/1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामा मल बेटा गूजर मल मलिक चमन इजीनियरिंग वर्क्स इण्डस्ट्रीयल एरिया फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री अबनाशी लाल बेटा राम चन्द थापर कालोनी फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 19-ए जो 979 गज 41/2 फुट इण्डस्ट्रीयल एरिया फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्री न० 1635 फरवरी 1977 में है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

तारीख : 29-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 29 मिनम्बर 1977

निदेश न० ए० पी० 40/77-78 --यत, मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बहराम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवा शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आत्मा राम बेटा हरनाम सिंह गांव बहराम तहसील नवा शहर ।

(अन्तरक)

(2) श्री तरसेम लाल, मोहन लाल, वेद प्रकाश जोगेन्द्र पाल बेटा साधू सिंह (हलवाई) बहराम तहसील नवा शहर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेग—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

60 कनाल जमीन बहराम गांव में जैसा कि रजिस्ट्री न० 4563 तारीख 28/2/77 नवा शहर में है ।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, भटिंडा

तारीख : 29-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

निदेश नं० ए० पी० 41/77-78 —यतः, मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मीरपुर खुर्द में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरदूलगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मे. उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरबस लाल पुत्र श्री प्रताप राय पुत्र श्री गडा मल बासी मीरपुर खुर्द तहसील मानसा जिला भटिंडा (अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार, विनोद कुमार पुत्रान, कुन्दन लाल पुत्र प्रताप राय बासी मीरपुर खुर्द अब सिनेमा रोड मानसा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

60 कनाल 4½ सरला जमीन गांव मीरपुर खुर्द में जैसा रजिस्ट्री नं० 966 तारीख फरवरी, 1977 उप रजिस्ट्रार सरदूलगढ़ में है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 5-10-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

निर्देश नं० ए० पी० 42/77-78 ---यत, मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मीर पुर खुर्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरदूल गढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत एव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रचुरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

5-296GX/77

(1) श्री चमन लाल बेटा प्रताप राय बेटा गंडा मल बासी मीर पुर खुर्द तहसील मानमा जिला भटिंडा।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार, विनोद कुमार पुत्रान कुन्दन लाल वेद प्रताप राय बासी मीर पुर खुर्द तहसील मानमा अब सिनेमा रोड मानमा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके द्वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

60 कनाल 4½ मरला जमीन गांव मीर पुर खुर्द में जैसा कि रजिस्ट्री न० 612 तहसील सरदूल गढ़ में है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख : 5-10-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 60/61 एरडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 27 सितम्बर 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/नासिक/ / फैब० 77/ 340—
यतः, मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० सं० क्र० 243/3-8, सी० टी० एस० क्र०
2212 और 2213 है तथा जो देवलाही जो नासिक में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नासिक
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए,
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्यापित :—

(1) श्री जीवराम रणछोड दास ठक्कर

2 श्री हिरजीभाई रणछोडदास ठक्कर

3. लक्ष्मीदाम रणछोडदास ठक्कर

4. श्री ठाकरसी रणछोडदास ठक्कर

5. श्री विठ्ठलदास रणछोडदास ठक्कर सभी रहनेवाले
घर क्र० 101, सी० टी० एम० क्र० 3241, सुभाष
रोड, नासिक रोड

(अन्तरक)

(2) 1. श्री दगडुलाल चुनी लाल गाधी

2. श्री रतिलास चुनी लाल गाधी पोस्ट कसबे सुकेने
त० निफा, जिला नासिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जगह, मौजे देवलाही, त० और जि० नासिक, नासिक
म्युनिसिपिलिटी के कक्षायें, सं० क्र० 243/3-8, सी० एम० क्र० 2212
और 2213—1/2 हिस्सा - 517 85 वर्ग मीटर्स

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 103, दि० 8-2-77
को सबरजिस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,

अर्जन रेज, पूना

तारीख : 27-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 28 सितम्बर, 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/ नासिक/ अर्जन 77/ 341 —

यतः मुझे, श्रीमती पी० ललबानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 104/1बी-2 है, तथा जो नासिक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्रीधर नाथूजी धातक पिपलरोड, III दिहोरी, करंजवणे धरण नासिक जि० नासिक।

(अन्तरक)

(2) श्री मूलजी प्रेमजी पटेल श्री पंचवटी साँ मिल के पार्टनर पेठ रोड, पंचवटी, नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० क्र० 104/ 1बी-2

----- पंचवटी, नासिक।

2/1

क्षेत्रफल-0-हे०, 9- आर०-1 फ्रीहोल्ड

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में क्र० 298 दि० 8-4-77 को सब-रजिस्ट्रार, नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललबानी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

तारीख 28-9-77।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 30 सितम्बर, 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली II/ पूना / मार्च, 77/ 343/ 77-78—यतः, मुझे, श्रीमती पी० ललवाणी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 48/2 है, तथा जो नागरगांव, त० मावला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली -II पूना, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) फिनोलेक्स केबल्स लिमिटेड 26-27 बंबई-पूना रोड, पिंपरी, पूना -18।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स उदय प्यारो केबल्स प्राइवेट लिमिटेड, डायना बिल्डिंग, 53, महर्षी कर्वे रोड, बंबई 400021।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा और उसके ऊपर बंगला जो सण्हे नंबर 48/2 नागरगांव, तालुका मावला जिला पूना में स्थित है।

जिसका क्षेत्रफल 10 एकड़, 19 गुण है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 4 दिनांक 7-3-1977 सब-रजिस्ट्रार हवेली -II पूना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवाणी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

तारीख : 30-9-1977

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 सितम्बर 77

निर्देश सं० सी० ए० 5/हातकणगले/अप्रैल, 77/342—
यत, मुझे, श्रीमती पी० ललवाणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एम० क्र० 592/2 है तथा जो
इचलकरैजी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हातकणगले
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 26-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री मनोहर सदाशिव बनावली

2. श्रीमती निर्मल मनोहर बनावली वार्ड क्र० 10,
घर० क्र० 100, इचलकरैजी, जि० कोल्हापुर ।
(अन्तरक)

(2) श्री सखाराम गोविंद उडाले

2. श्री बजरंग सखाराम उडाले वार्ड क्र० 5, क्र० 88
इचलकरैजी, जि० कोल्हापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सी० टी० एस० क्र० 592/2, इचलकरैजी, ता० हातकण-
गले, जि० कोल्हापुर क्षेत्रफल-0-9 गुंठा (एन० ए०), जमीन
और मकान फ्रीहोल्ड ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 393 दि० 26-4-77
को सबरजिस्ट्रार हातकणगले के दफ्तर में लिखा है) ।

श्रीमती पी० ललवाणी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 30-9-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/1280/ भाचं-1 (13)/ 77-78 —अतः, मुझे, जे० एस० गिल, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० दुकान नं० 135 है, तथा जो भगत सिंह मार्किट नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ज्ञान चन्द कालरा, सुपुत्र श्री काशी राम निवासी जे०- 79, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आणा चौधरी, पत्नी श्री आर० आर० चौधरी, निवासी एफ० -69, भगत सिंह मार्किट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 135 जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग फुट है, भगत सिंह मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है ।

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख :

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्यू०/1/अप्रैल-11/ (21)/
77-78/25 ---अतः, मुझे, जे० एम० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिनकी सं० ई० 532 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 30-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय वीर वन्चू (करना, एच० यू० एफ०),
मुपुत्र श्री हरी हर नाथ वन्चू, निवासी 3, भगवान
दाम रोड, नई दिल्ली। लेकिन अब द्वारा भारत
रिफाइनरी ट्रेनिंग सेंटर ट्राम्बे हाउस, जूह बम्बई।
इनके जगतल अटारनी श्रीमती मारुप नेहरू, के द्वारा
पत्नी श्री बी० के० नेहरू, निवासी, 1, बैम्बटन एवेन्यू
महारानी बो०, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सी० चौपडा, मुपुत्र एल० छज्जू राम तथा
श्री विनोद चौपडा, मुपुत्र श्री एस० सी० चौपडा,
निवासी जे-63, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-1

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फोहोल्ड प्लॉट जिनका न० 532 है, ब्लॉक नं० 'ई' है,
और क्षेत्रफल 550 वर्ग गज है, निवासी कालौनी ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली-48 में दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत
बाहापुर गांव के राजस्व राज्य, दिल्ली की यूनिथन टैरीटरी, दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सत्रिस लेन
पश्चिम : रोड़
उत्तर : प्लॉट न० ई-534
दक्षिण : प्लॉट न० ई-534

जे० एम० गिल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, दिल्ली

तारीख :
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/अप्रैल-11 (14)/
77-78/—अत. मुझे, जे० एस० गिल,घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० एम-124 है तथा जो ग्रेटर, कैलाश, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25-4-1977 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—(1) श्रीमती रक्षा टंडन, पत्नी स्वर्गीय श्री हरीश चन्द्र टंडन
निवासी राजीव फार्म, विजवागन, नई दिल्ली, इनके
जनरल अटार्नी श्री जोगिन्द्र पाल कोहली के द्वारा,
निवासी अतर्वाज, रामचन्दानी मार्ग, बम्बई-1
(अन्तरक)(2) श्रीमती आर० के० सिंह, पत्नी श्री आर० सी० सिंह,
तथा राजन बन्सल, सुपुत्र श्री आर० सी० सिंह, निवासी
229, बाजार अजमेरी गेट, दिल्ली-6
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 124, ब्लॉक नं० 'एम' जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग
गज है, निवासी कालीनी ग्रेटर कैलाश, वाक्तापुर गांव, दिल्ली की
यूनियन बैरोटरी में एक बार्ड मजिला मकान के साथ में है। यह प्लॉट
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	रोड
पश्चिम	सर्विस रोड
उत्तर	प्लॉट नं० एम-122
दक्षिण	: प्लॉट नं० एम-126

जे० एस० गिल,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1.तारीख :
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेज-I, दिल्ली-1

4/14 क, आमफअली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली-1, दिनांक

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/1123/जनवरी-1

(5)/76-77/—अतः मुझे, जे० एम० गिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई-71 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-1-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

6—296G1/77

(1) श्री सत्यामूर्ति शर्मा, सुपुत्र श्री बाला प्रसाद शर्मा, तथा श्रीमती प्रेम शर्मा, पत्नी श्री सत्यामूर्ति शर्मा, निवासी 7/8, दरिया गज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार गुप्ता, सुपुत्र स्वर्गीय श्री विशम्बर दयाल गुप्ता, तथा श्रीमती सतीश गुप्ता, पत्नी श्री राधे श्याम गुप्ता, निवासी एम/17, कैलाश कालौनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट न० 71, ब्लॉक न० 'ई' जोकि 220 वर्ग गज क्षेत्रफल का है, निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	मविम लेन
पश्चिम	रोड
उत्तर	: प्लॉट न० ई-73
दक्षिण	: प्लॉट न० ई-69

जे० एम० गिल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख:

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/
1238/जनवरी-11 (19)/77-78/—अतः मुझे, जे० एस० गिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई-449 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-1-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्षातः—

(1) श्री एस० भूपिन्द्र सिंह, सुपुत्र एस० मेहताब सिंह, निवासी III-जी/14, लाजपत नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मदन लाल, निवासी 408, नया बास, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका न० 449, ब्लॉक न० 'ई' है, निवासी कालीनो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है, जिसके साथ एक मजिला मकान भी बना हुआ है। यह प्लॉट निम्न प्रकार में स्थित है :—

पूर्व	. प्लॉट न० ई-447
पश्चिम	. प्लॉट न० ई-451
उत्तर	. मखिम रोड
दक्षिण	. रोड

जे० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 10-10-1977.

मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बसवराज, बी० होनडर, तिलकवाडी, बेलगाव,

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड-580004 दिनांक 6 अक्टूबर 1977

निर्देश न० 192/77-78/एक्यू०—यतः मुझे, डी० सी० राजगोपालन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी न० 674 है, ओ रबीवार पेट, बेलगाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बेलगाम में अडर डाकुमेंट न०-1897, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन 19() को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की धारत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री सकुनेपा, बीरुपाकमपा बागो, पारटनर, मैसर्स एस० बी० बागी, रबीवार पेट, बेलगाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान का मकान। रबीवार पेट बेलगाव में है। मूनसीपालटी का न० 674, विस्तार 966 चौंसती फीट है।

डी० सी० राजगोपालन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, धारवाड।

तारीख : 6-10-77

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 26 सितम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/45/77-78—यतः मुझे,
एच० सी० श्रीवास्तव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान न० 372/240 है तथा जो जुना बगडगज
ले-आउट, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 26-4-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रभाकर मारोतराव ठक्कर, जुनी मंगलवारी सं०
न० 5/10, नागपुर। (अन्तरक)

(2) (i) श्री विश्राम लेखराज भगनानी,
(ii) श्री णकर लेखराज भगनानी,
(iii) श्री आसन दास लेखराज भगनानी सभी सतरजी,
कोटा कालीनी, नागपुर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 372/240/जो प्लॉट न० 193 में स्थित है। और
जुना बगडगज ले-आउट-सेक्शन 3, सेंट्रल रिवेन्यू स्कीम एन० टी०
टी० नागपुर में स्थित है।

एच० सी० श्रीवास्तव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, नागपुर.

तारीख . 26-9-77

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 मितम्बर, 1977

निर्देश सं० ए० सि०-9/अर्जन रेंज-IV/कल०/77-78—अतः
मुझे, ए० एन० भट्टाचार्य,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० 198 है तथा जो लोक टाउन, ब्लॉक-ए, कल०-55
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-
77 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से घम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सीताराम कोयान,

(अन्तरक)

(2) श्री तपन कुमार गुह,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

198, लोक टाउन, ब्लॉक-ए, कलकत्ता-55 पर स्थित 5
कट्ठा, 6 छटाक, 22 स्के० फिट जमीन के समुदाय चिजों, साथ
3-मजिला मकान।

ए० एन० भट्टाचार्य,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता।

तारीख 23-9-77.

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं० ए० मि०-16/अर्जन रे०-IV/कल०/77-78---

अतः मुझे, ए० एन० भट्टाचार्य,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी दाग सं० 3527 है तथा जो राना-राजट्टाहाट, 28
मे परगणा स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18-1-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मेसर्स सल्ट लेक कृष्णपुर को-ऑपरेटिव लॉन्ड एण्ड
हाउसिंग सोसायटी लि०,

(अन्तरक)

(2) मेसर्स माहा इन्सटीच्युट को-ऑपरेटिव कालोनी सोसायटी
लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 3527 (वर्तमान 5537), खतियान सं० 604,
मौजा-कृष्णपुर, थाना-राजट्टाहाट जिला-2 परगणा में स्थित
9 बीघा, 13 कट्ठा जमीन के कुल चिजों।

ए० एन० भट्टाचार्य,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता.

तारीख 8-10-77.
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

(1) श्री नटवर लाल अग्रवाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मनिषा सरकार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अक्टूबर, 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

निर्देश सं० ए० मि०-17/अर्जन रेंज-IV/कल०/77-78—
यतः, मुझे, ए० एन० भट्टाचार्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 16 है तथा जो प्रिन्स अनवर शाह रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-1-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अनुसूची

164, प्रिन्स अनवर शाह रोड, प्लॉट सं० 5, उत्तर ब्लॉक ए/1, थाना टालिगज, कलकत्ता-1, खासी जमीन, परिमाण-2 कट्टा 5 छटाक, 3 स्क० फिट ।

ए० एन० भट्टाचार्या,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-10-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/873—

अतः, मुझे, रा० कु० बाली,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बिल्डिंग है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती रेनु वेन्कट रमानी द्वारा श्री बी० एस० कृष्णन निवामी ई-1/120, करेरा कालौनी, भोपाल-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज कुमारी दुग्गल पत्नी श्री बी० एम० दुग्गल, निवामी ई-1/144, अरेरा कालौनी-ए, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग स्थित प्राइवेट सेक्टर ई 1/120, शाहपुरा, भोपाल।

रा० कु० बाली,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3-10-1977.

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एन्वी०/भोपाल/77-78/891—

अतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि व मकान है, जो हरदा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, हरदा में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 3-2-77 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
7—296GI/77

(1) (1) श्री विभुवन दास, (2) श्री किशन दास, (3)
श्री विशन दास, (4) मभी पुत्र श्री वल्लभ दास द्वारा
पावर आफ एटर्नी श्री लीला चन्द्र पुत्र श्री विश्वनाथ
जी पटेल निवासी ऐवला जिला नासिक।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र अग्रवाल, पुत्र श्री हजारि लाल अग्रवाल,
निवासी हरदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा न० 11.2, 11.3, 11.9 (भाग) साथ
आफस बिल्डिंग, स्टोर व 1 95 एकड़ कृषि भूमि स्थित हरदा।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-10-77.
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/892—

अतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० बिल्डिंग है, जो भोपाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिका-री के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) श्रीमती अर्पनादेवी पार्ल श्री दास गुप्ता, ए० एम० निवासी 28, कैलाश पार्क, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंगेश देवी अग्रवाल, पुत्री श्री मिट्ठू लाल अग्रवाल, निवासी भोपाल टाकीज, हमीदिया रोड, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट न० 17, बिल्डिंग "हमीब मंजिल", वार्ड न० 1, ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख . 3-10-77.
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० / ए० य० III/एस० आर० -11/ फरवरी/ 606 (5) / 76-77 —अर्ज. मुझे ए० एल० सूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 30 है, तथा जो नेहरू बाजार, बैंगरोड, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुभाष चन्द्र आनन्द, सुपुत्र श्री धर्मवीर आनन्द निवासी, 15/5338, गोरग कोठी, पहाड़गंज, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री भजन लाल नारला, सुपुत्र श्री जसवन्त राय नारला निवासी 15/5368 गोरग कोठी, पहाड़गंज, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जिसका नं० 30 है, और क्षेत्रफल 19.7 वर्ग गज है, बैंगरोड, (नेहरू बाजार), पहाड़गंज, नई दिल्ली में है।

ए० एल० सूद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज III दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1977
मोहर

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 29th September 1977

No. F.6/77-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri B. R. Gupta, Assistant, as Officiating Section Officer with effect from the forenoon of 26th September, 1977 until further orders

The 30th September 1977

No. F.6/77-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint the following members of the Staff of this Registry to the post shown against each with effect from the forenoon of 30 September, 1977 until further orders.

Sl. No.	Name & Designation	Post to which appointed
1.	Shri A. P. Jain, Stenographer	Officiating Private Secretary to Hon'ble Judge
2.	Shri Suresh Chandra Stenographer	Officiating Private Secretary to Hon'ble Judge
3.	Shri J. K. Sharma, Offg. Stenographer	Officiating Court Master

R. SUBBA RAO,
Deputy Registrar (Admn.),
Supreme Court of India.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th September 1977

No. A 12019/5/74-Admn II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis, as Senior Analyst for a period of six months w.e.f. 12.9.77 or until further orders, whichever is earlier.

Shri M. S. Chhabra will be on deputation to an *ex-cadre* post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance OM No F 10(24)-E III/60 dated the 4.5.61, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
for Chairman,
Union Public Service Commission

DEPARTMENT OF SPACE

Trivandrum-695022, the 13th September 1977

No. VSSC/EST/NTF/77—The Director, VSSC, hereby appoints the following officers, in Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum of the Department of Space, consequent on their promotion, as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of the dates shown against each and until further orders —

Sl. No.	Name	Designation	Date
S/Shri			
1.	VR Prabhakara Varier	Scientist/Engineer SB	1-1-76
2.	G. Gopalakrishna	Scientist/Engineer SB	1-1-76
3.	P. Rangaraju	Scientist/Engineer SB	1-1-76
4.	PM Paulose	Scientist/Engineer SB	1-1-76
5.	N Saravanan	Scientist/Engineer SB	26-10-76
6.	M Murahdharan	Scientist/Engineer SB	30-12-76
7.	P Yathundran Nair	Scientist/Engineer SB	1-1-77
8.	A Balasubramanian	Scientist/Engineer SB	1-4-77
9.	Smt PC Annie	Scientist/Engineer SB	1-4-77
10.	GS Dhas	Scientist/Engineer SB	1-4-77
11.	A Abdul Razak	Scientist/Engineer SB	1-4-77
12.	WT Joseph	Scientist/Engineer SB	1-4-77
13.	A Thomas	Scientist/Engineer SB	1-4-77

RAJAN V. GEORGE
Admn. Officer II (EST)
for Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 1st October 1977

No. PF/S-18/74-Ad.V.—On the expiry of his term of deputation, Shri S. S. Choudhury, an officer of Orissa Police on deputation as Senior Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation, Bhubaneswar Branch, has been relieved of his duties in the C.B.I. with effect from the afternoon of 31.8.77.

His services have been placed back at the disposal of State Government from the forenoon of 1.9.77.

BHUDEB PAL,
Administrative Officer (E),
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 29th September 1977

No. O.II-1073/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Vinoda Kumar as G.D.O., Grade II (Dy S.P./Coy Comdr) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21st September 1977 until further orders.

The 4th October 1977

No. O.II-1045/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murthy as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad-hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 17th Sept. 1977 or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 5th September 1977

No. O.II-678/71-Estt.—On the expiry of 71 days LPR w.e.f. 22-8-77 to 31-10-77 granted to him, Shri Sardara Singh, Dy SP, 35th Bn, CRPF will retire from service in this Force with effect from the afternoon of 31-10-77.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 3rd October 1977

No. 7 FC2(7)-A/77.—In modification of this Commission's Notification of even number, dated 23rd July 1977, Shri P. B. Dhawan, a Permanent Grade IV Officer of the Indian Economic Service has been appointed as Private Secretary to Chairman, Seventh Finance Commission, in the scale of Rs. 1100—1600 with effect from the forenoon of 24th June, 1977 until further orders.

P. I. SAKARWAR
Under Secretary

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 28th September 1977

No. 3399-GE I/M-88/PS dated 6-8-77—Shri Susil Kumar Mishra, IAAS has been permitted to change his name as "Susil Kumar Roy".

No. 3414-GE I/B-36/PF III dated 8-8-77.—Consequent upon his permanent absorption in Indian Petrochemicals Corporation Ltd., Baroda in Public interest with effect from 23-4-1977, Shri J. S. Bakshi (IAAS) is deemed to have retired from Govt. Service with effect from the same date in terms of Rule 37 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

No. 3425-GE I/24-76 dated 9-8-77—Shri Ananda Shankar, IAAS has been confirmed in the junior time scale of IAAS w.e.f. 21st May 1977.

No. 3803-GE I/S-70/PF.Pt.IV dated 30-8-77—The resignation of Shri S. P. S. Sodhi, IAAS from Govt. services has been accepted with effect from 3rd June, 1977

No. 4033-GE I/P-12/PF Pt II dated 15-9-77—Consequent upon his permanent absorption in the Indian Drugs & Pharmaceuticals Ltd; New Delhi in Public interest with effect from 23 8 1976, Shri Y P Passi, IAAS, is deemed to have retired from Govt Service with effect from the same date in terms of Rule 37 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972

M. M. B. ANNAVI,
Asstt. Compt & Auditor General (Personnel)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, U.P.-I

Allahabad, the 23rd September 1977

No. Admn I/11-144(xii)/205.—The Accountant General, U.P.-I, Allahabad has appointed Sri Harish Chander Srivastava, II, Section Officer to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from 17 9, 1977 F.N.

N. SRIVASTAVA,
Sr Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, MADHYA PRADESH

Gwalior-474002, the 23rd September 1977

No. OE I/311—In terms of Rule 43 of CSS (Pension) Rules, 1972 the Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to permit Shri R. K. Pitale, a permanent Accounts Officer to retire voluntarily from services with effect from 31-8-77 A.N

KRISHNA GOPAL,
Sr Dy Acctt. General (Admn)

MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F.

DGOF HQRS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 27th September 1977

No. 62/77/G—The DGOF is pleased to promote the following permanent Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Class II Gazetted) in offg. capacity on *ad-hoc* basis for the periods shown against each—

1. Shri Narendra Nath Ghosh—From 1 4 77 to 29.5 77
From 30 5 77 until further orders.
2. Shri Ramendra Kumar Mitter—From 2 5 77 to 24 7 77
From 1 8 77 until further orders

D. P. CHAKRAVARTI,
ADG/ADMIN-II,
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 28th September 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/84/54-Admn(G)/6903—On attaining the age of superannuation, Shri J. Mukherjee a permanent Deputy Chief Controller of Imports & Exports, relinquished charge of the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta on the afternoon of the 31st July, 1977

No. 6/176/54-Admn(G)/6910—Shri D. P. Mallur, a permanent Controller of Imports and Exports (Non-CSS) and an officiating Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi expired on 18th July, 1977

No. 6/1224/77-Admn(G)/6933.—The President is pleased to appoint Shri Arun Kumar, IAS (Kerala—1965) Regional Manager, Kerala Region, Trivandrum, as Joint Chief Controller of Imports and Exports, (Central Licensing Area), New Delhi, with effect from the forenoon of 29th August 1977, until further orders.

The 29th September 1977

No. 6/1221/77-Admn(G)/6944—The President is pleased to appoint Shri N. C. Dave, Special Officer and Ex-Officio Under Secretary to the Government Central Administration Department, Government of Gujarat, Gandhi Nagar, as Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Ahmedabad with effect from the forenoon of 21st July, 1977

2. As Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this organisation Shri N. C. Dave will draw his grade pay plus a special pay of Rs 200/- p.m.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

New Delhi, the 19th September 1977

No. A 19018/314/77-Adm(G)—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri V. Doraiswamy (a permanent Grade II Officer of CSSS) as officiating Assistant Director (Grade II), (General Administration Division) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on deputation basis Shri Doraiswamy accordingly assumed charge of the post on the forenoon of 24 8 1977, in the Office of the DCSSI, New Delhi

V. VENKATRAYULU,
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

ADMN SEC A-6

New Delhi, the 27th September 1977

No. A 6/247(239)/59-II—Shri A. B. Sinha AI (MET. CHEM) of the office of the Dy Director of Inspection (Met.) Bhilai under the Jamshedpur Inspectorate expired on 2 6 1977.

SURYA PRAKASH,
Dy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 19th September 1977

No. E-11(7)—In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July, 1969, as amended from time to time, add the following namely—

Under Class-2 'NITRATE MIXTURE'

Add "SDS-500 slurry Explosives" for carrying out trials manufacture and field trials at specified locations upto 31.8 1978, before the entry "SUPERDYNE".

I. N. MURTY,
Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF STEEL)

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 28th September 1977

No. FI-12(8)/77 ()—Iron and Steel Controller hereby appoints Shri S. K. Bhattacharyya, Offg A.O., on deputation to this office from the office of the Eastern Railway, Calcutta to officiate in the vacant post of Accounts Officer in this office with effect from the forenoon of 31st August 1977 until further orders

A. C. CHATTOPADHYAY,
Deputy Iron and Steel Controller
For Iron and Steel Controller

DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th September 1977

No. A 19012(96)/77-Estt.A—Shri S. K. Saha, permanent Senior Technical Assistant (Geo.) is promoted to the post of Assistant Mining Geologist in Group 'B' post in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 12.9.77 until further orders.

L. C. RANDHIR,
Head of Office,
for Controller

Nagpur, the 30th September 1977

No. A 19012(85)/77-Estt.A—Shri G. C. Sharma, Permanent Superintendent, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer, Indian Bureau of Mines in Group 'B' post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 12th September, 1977.

L. C. RANDHIR,
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL . ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 28th September 1977

No. 4(35)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Surendra Chunulal Tanna as Programme Executive, All India Radio, PUNE in a temporary capacity with effect from 14th September, 1977 and until further orders

No. 4(54)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rushikumar Shastri as Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from 15th September 1977 and until further orders

No. 4(89)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri J. N. Joshi as Programme Executive, All India Radio, Bhub in a temporary capacity with effect from 1st September 1977 and until further orders.

No. 4/52/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Harendra Kumar Kotia as Programme Executive, All India Radio, Raipur in a temporary capacity with effect from 30th August, 1977 and until further orders.

The 30th September 1977

No. 4/80/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Krishnarao L. Jadhav as Programme Executive, All India Radio, Nagpur in a temporary capacity with effect from the afternoon of 20th August, 1977 and until further orders.

The 1st October 1977

No. 4(55)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. N. Vyas as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 12th September, 1977 and until further orders

N. K. BHARDWAJ
Dy. Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 30th September 1977

No. 10/41/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. Sayeram to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Bombay w.e.f. 2-9-77.

No. 10/71/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Yogendra Kumar to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Kohima w.e.f. 22-8-77.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 28th September 1977

No. A-12026/7/75-Estt.I.—The Chief Producer, Films Division, had appointed Shri V. R. Peswani, Permanent Superintendent, Films, Division, Bombay to officiate as Assistant Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 1st August, 1977 to the afternoon of the 30th August, 1977, *vice* Shri M. Chandran Nair, officiating Assistant Administrative Officer appointed as Administrative Officer.

M K JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th September 1977

No. A 12025/26/76(CHEB)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Sudarshan Kumar Bhagat to the post of Technical Officer (Exhibition) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, on a temporary basis with effect from the forenoon of 3rd September 1977 and until further orders.

The 29th September 1977

No. A 12026/24/77(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. M. Sharma to the post of Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 13th September, 1977, on an *ad hoc* basis and until further orders *vice* Shri K. C. Gangal on leave

S. P. JINDAL
Dy Director Administration (O&M)

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA

(KRISHI VIBHAG)

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 29th September 1977

No. F.1(6)/76-Estt.II.—Shri Ram Parkash Chander has been appointed as Chief Instructor (Workshop) Group 'B' Gazetted in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Extension Education Institute, Nilokheri, District Karnal (Haryana) in a temporary capacity, with effect from the afternoon of 23rd August 1977, until further orders.

CHANDRA PRAKASH
Director of Administration

CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION

Bombay-58 AS, the 29th September 1977

No. 1-13/77/Estt./6666.—The Director, Central Institute of Fisheries Education, Bombay is pleased to appoint Shri Sudhar Kumar Bhatnagar as Demonstrator (Craft & Gear) at the Central Institute of Fisheries Education, Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23-4-1977 and until further orders.

The 30th September 1977

No. 43-2/77/Estt./6698.—The Director, Central Institute of Fisheries Education Bombay is pleased to appoint Shri Pankaj Kumar Baijal as Assistant Engineer (Fish Farm) at the Fresh Water Fish Farm, Balabhadrapuram in a temporary capacity with effect from the forenoon of 22nd August, 1977.

Sd/ ILLEGIBLE
Director

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faizabad, the 1st October 1977

No. F.4-6(12)/77-A.III.—The appointment of Shri N. B. Bhattacharya to the post of Assistant Marketing Officer, Group I, on short-term basis for a period of 6 months with effect from 28-3-77 (F.N.) notified *vide* this Directorate's Notification of even number dated 15-4-77 has been extended for a further period not exceeding three month or until regular arrangement is made, whichever is earlier.

No. F.4-6(119)/77-A.III.—The appointment of Shri R. C. Singhal to the post of Assistant Marketing Officer, Group I, on short-term basis for a period of 6 months with effect from 8-3-77 (A.N.), notified *vide* this Directorate's Notification of even number dated 19-3-77, has been extended for a further period not exceeding three month or until regular arrangement is made, whichever is earlier.

The 3rd October 1977

No. F.4-6(10)/77-A.III.—The appointment of Shri D. K. Ghosh to the post of Assistant Marketing Officer, Group I, on short term basis for a period of 6 months with effect from 28-2-77 (F.N.) notified *vide* this Directorate's Notification of even number dated 25-3-77 has been extended for a further period not exceeding three month or until regular arrangement is made, whichever is earlier

No. F.4-6(116)/77-A.III.—The appointment of Shri H. N. Shukla to the post of Assistant Marketing Officer, Group I, on short-term basis for a period of 6 months with effect from 25-3-77 (F.N.) notified *vide* this Directorate's Notification of even number dated 11-4-1977 has been extended for a further period not exceeding three month or until regular arrangement is made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BRANCH HEAD OFFICE

Nagpur, the 1st September 1977

No. F.3(44)/9/72-DII.—For the purpose of the Government of India Finance Department (Central Revenue), Ministry of Finance (Revenue Division), notifications No. 12 Dt. 9-6-1945 No. 1 Camp Dt. 5-1-1946 No. 6 Dt. 5-2-1949 No. 64 Dt. 17-6-1961, published in the Gazette of India I hereby authorise Shri D. G. Patil, Senior Marketing Officer and Shri S. Subba Rao, Marketing Officer to issue Certificates of Grading from the date of issue of this notification in respect of Tobacco which has been graded in accordance with the Provisions of the Tobacco Grading and Marking Rules and formulated under Section 3 of the Agricultural produce (Grading and Marking Act 1937 (1 of 1937))

Sd/- ILLEGIBLE
Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 27th August 1977

NOTICE

Ref. H/257/TSD/Estt IV/7463.—The following order which was sent by Registered Post A/D to Shri R. I. Hakim, Tradesman 'A' of this Research Centre at his address on July 19, 1977 has been returned undelivered by the postal authorities with remarks dated 22-7-77 'Left—address not known'. The order is therefore published in the gazette.

"ORDER"

In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri R. I. Hakim, a temporary Tradesman 'A', Technical Services Division of this Research Centre, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on

which this notice is served on or, as the case may be, tendered to him

1. Shri R. I. Hakim,
Bazar Peth,
Ratnagiri.
2. Shri R. I. Hakim,
14, Forgett Hill Road,
Zenab Court,
Bombay-400 036"

P. R. MFR
Head, Personnel Division

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 22nd August 1977

No. DPS/23/8/77-Est./20622.—Director, Purchase & Stores, DAE appoint the following Assistant Accounts Officers of the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Accounts Officer-II in the same Directorate, in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on an adhoc basis for the period indicated against each. —

Sl. No.	Name,	Period	Remarks
1	Shri V. K. Potdar	25-4-77 FN to 25-6-77 AN	Vice Smt. B. Shakuntala, Accounts Officer-II granted leave.
2	Shri P. S. Rao	2-5-77 FN to 25-6-77 AN	Vice Shri G. L. Hal-dipur, Accounts Officer-II granted leave

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 28th September 1977

No. AMD-4/3/77-Adm.—Dr. H. B. S. Grewal, Assistant Surgeon in Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy is appointed in substantive capacity against the permanent post of Assistant Surgeon in the same division with effect from 1-3-1977.

G. R. UDAS
Director, Atomic Minerals Division

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur, the 23rd September, 1977

CORRIGENDUM

No. TAPS/2/551/67.—In the Notification No. TAPS/2/551/67 dated September 6, 1977 for the date "May 25, 1977", the date "August 25, 1977" may be substituted.

D. V. MARKALE
Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, 28th September 1977

No. E(I)07197.—The Director General of Observatories, New Delhi hereby appoints Shri Brij Bhushan as an Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th July, 1977 and until further orders

Shri Brij Bhushan is posted to Meteorological Centre, Guwahati under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

New Delhi-3, the 29th September 1977

No E(I)05868.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri Chander Parkash, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 89 days from 12-9-77 to 9-12-77

Shri Chander Parkash, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi

C. G. BALASUBRAMANYAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th September 1977

No. A.31013/3/76-EA.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Senior Aerodrome Officer in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, with effect from the 13th September, 1977

1. Shri M. M. Joglekar
2. Shri B. K. Ramachandran
3. Shri L. B. Timmins
4. Shri M. M. Simon.
5. Shri S. Bhattacharjee
6. Shri H. K. Sachdev
7. Shri T. R. Chandramouli.
8. Shri S. S. Bevil
9. Shri Prem Nath.

S. L. KHANDPUR
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 24th September 1977

No. A38012/1/77-EC —Shri J. S. Veda, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication Aeronautical Communication Station Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on the 31st August, 1977 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 27th September 1977

No. A 12025/8/75-EC —The President is pleased to appoint Shri Suiya Narayana Murthy as Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the C.A.D. in an officiating capacity with effect from the 31st August, 1977 (FN) and until further orders and to post him at the Aeronautical Communication Station Bombay.

No. A 32013/9/76-EC —In continuation of this Department Notification No. A 32013/9/76-EC, dated the 6th July, 1977 the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment in respect of the following three Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer upto 31-8-1977.

S. No. Name Station of posting

1. Shri N. R. Swamy—Controller of Aeronautical Inspection, Civil Aviation Deptt. Hyderabad
2. Shri V. K. Khandelwal—Controller of Aeronautical Inspection, Civil Aviation Deptt. Calcutta
3. Shri S. K. Seraswari—Director Radio Construction & Development Units, New Delhi.

No. A.32013/11/76-EC —The President is pleased to appoint Shri B. G. Shaw, Communication Officer, A.C.S. Nagpur to the grade of Senior Communication Officer in officiating capacity and on regular basis with effect from the 11-8-77 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Regional Director, Civil Aviation Department Bombay Airport, Bombay.

The 29th September 1977

No. A 32013/6/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. Surender, Technical Officer A.C.S., Bombay to the grade of Senior Technical Officer purely on *ad hoc* basis with

effect from the 30-5-77 (FN) and upto the 28-10-77 or till the regular appointment to the grade are made whichever is earlier and to post him at A.C.S., Palam

(S.No. 4 of this Deptt. Notification No. A 32013/6/77-EC, dated the 4th August/16th August 1977 is hereby cancelled)

V. V. JOHRI
Assistant Director of Admin.

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 3rd October 1977

No. 16/208/72-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, has been pleased to replace the services of Shri P. K. Zacharia, Assistant Instructor, Southern Forest Rangers College, Coimbatore, at the disposal of the Government of Kerala with effect from the afternoon of 7th September, 1977.

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv,
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 26th September 1977

No. 22/1977 —Shri H. C. Dewan, confirmed Superintendent of Central Excise, Group 'B' posted at Central Excise Division, Moradabad has retired from Government service in the afternoon of 31-7-77

No. 23/1977 —Shri K. C. Agarwal, officiating Superintendent of Central Excise, Group 'B' posted at Central Excise Division Moradabad has retired from Government Service in the afternoon of 31-7-77

No. 24/1977 —Shri B. S. Singh confirmed Superintendent of Central Excise, Group 'B' posted at Central Excise, Hdqrs. Office, Allahabad has retired from Government service in the afternoon of 31-7-77.

K. P. ANAND
Collector.

Baroda, the 14th September 1977

No. 10/77.—Shri I. L. Vashi, Assistant Collector of Central Excise Group-A, of Baroda Collectorate retired from Government Service with effect from 31-8-1977 (AN).

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise
Baroda

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

WEST BENGAL

Calcutta, the 4th October 1977

No. C II(3)167/ET/WB/77/23939-879D —In pursuance of the Government of India, Central Board of Excise and Customs, New Delhi's letter F No. A-12026/8/75-CERC(Adm) dated 26th April, 1977 and this office order dated 5th May, 1977 issued under endt. C No. II(31)31-ET/WB/76/9278-92 C dated 5th May, 1977 Shri Sidhi Nath Jha, Hindi Translator of Patna Central Excise Collectorate on being relieved on 30th June, 1977 (AN) has assumed charge as Hindi Officer in the office of the Collector of Central Excise and Customs, West Bengal Collectorate Calcutta in the forenoon of 11th July, 1977

A. K. BHOWMIK
Collector,
Central Excise and Customs,
West Bengal, Calcutta

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 3rd October 1977

No A-19012/521/74-Adm V.—On repatriation from Water and Power Development Consultancy Services (I) Ltd., Shri S. S. Sachar, resumed the charge of the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission on the forenoon of 24th September, 1977.

J. K. SAHA

Under Secy.

Central Water Commission

CENTRAL RAILWAY

Bombay V.T., the 28th September 1977

No HPB/220/G/M.—The following Officer of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers is confirmed in Senior Scale with effect from the date shown against him

<i>Name of the Officer</i>	<i>Date from which confirmed.</i>
Shri S. Bhattacharya	21-2-1967

P. R. PUSALKAR
General Manager.MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Dholpur Agro and Cottage Industries Pvt Ltd*

Gwalior, the 28th June 1977

No. 1190.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Agro and Cottage Industries Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Rajasthan Farmers Company Private Limited*

Gwalior, the 28th June 1977

No. 1192.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Rajasthan Farmers Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Dholpur Colonisers and Agro Development Company
Pvt Ltd.*

Gwalior, the 28th June 1977

No. 1193.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Dholpur Colonisers and Agro Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Dholpur Agricultural Company Private Limited*

Gwalior, the 28th June 1977

No. 1194.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Dholpur Agricultural Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Dholpur Horticulture and Agriculture Company Pvt Ltd*

Gwalior, the 28th June 1977

No. 1197.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Horticulture and Agriculture company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

8—296GI/77

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Dholpur Financiers and Investors Company Private Ltd.*

Gwalior, the 28th June 1977

No. 1198.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Dholpur Financiers and Investors Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Dholpur Mercantile and Investment Company Pvt Ltd.*

Gwalior, the 28th June 1977

No. 1199.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Dholpur Mercantile and Investment Company Private Limited has been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. R. BOHRA
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Mining & Industries Private Limited*

Calcutta, the 28th September 1977

No. 14691/560(5)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Mining & Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Karnai Roy Chowdhury & Company Private Limited*

Calcutta, the 28th September 1977

No. 24187/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Karnai Roy Chowdhury & Co Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Calcutta Equipments Private Limited.*

Calcutta, the 28th September 1977

No. 26901/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Calcutta Equipments Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Liberty Company Limited*

Calcutta, the 28th September 1977

No. 14487/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Liberty Company Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH
Register of Companies.
West Bengal

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Madras-6, the 26th September 1977*

CORRIGENDA

Madras-600006, the 29th September 1977

No. 4144/560(5)/76.—The name of the company may please be read as "Pullambadi Transports Private Limited" instead of "Pullanbadi Transports Private Limited" appearing in the Notification No. 4144/560(5)/76 published in the Gazette of India, Part III Section I dated 19-2-77 at page No. 870.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Madras-6, dt 26-9-1977*

Madras-600006, the 29th September 1977

No. 4144/560(5)/76—The name of the company may please be read as 'Sri Selva Muthukumarasamy Bus Service Private Limited' instead of "Selva Muthu Kumarasamy Bus Service Private Limited" appearing in the Notification No. 4643/560(5)/76 published in the Gazette of India, Part III Section I dated 22-1-77 at Page No 437.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Madras-6, dt 26-9-1977*

Madras-600006, the 29th September 1977

No. 5041/560(3)/76—The name of the company may please be read as "Khan Chit Fund Private Limited" instead of "Kanchan Chit Fund Private Limited" appearing in the Notification No DN/5041/560(3) published in the Gazette of India, Part III, Section I dated 16-10-76 at page No. 9029.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Ganesh Chit Fund Company Private Limited*

Madras-600006, the 3rd October 1977

No. 809/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ganesh Chit Fund Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s Mekem Engineers Private Limited.*

Madras-600006, the 3rd October 1977

No 5655/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mekem Engineers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Homeo and Bio Company Limited*

Madras-600006, the 3rd October 1977

No. 5760/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Homeo and Bio Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s Sabari Agencies Private Limited*

Madras-600 006, the 3rd October 1977

No. 6376/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sabari Agencies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K PANCHAPAKESAN
Asst Registrar of Companies
Tamilnadu

MODEL TOWN, LINK ROAD, JULLUNDUR CITY

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Amrit Bank Limited*

Jullundur, the 30th September 1977

No STAT/149/7370—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, that the name of Amrit Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Wheato Laboratories Limited*

Jullundur, the 30th September 1977

No. Stat/1320/7374.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, that the name of Wheato Laboratories Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Pure Milk Supply Company Limited (In Liqn)*

Jullundur, the 30th September 1977

No STAT/1786/7383—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, that the name of Pure Milk Supply Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

S P TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H. P. & Chandigarh

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Vaish Benefit Chit Fund Private Limited*

New Delhi, the 30th September 1977

No 3892-17737—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Vaish Benefit Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. M. S. JAIN
Asstt Registrar of Companies
Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 18th August 1977

INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 78.—Shri Mahesh Chandra, Income-tax Inspector, Office of the Commissioner of Income-tax, Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer Group-B in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on promotion he joined as Income-tax Officer, B-Ward, Salary Circle, Lucknow on 28-6-1977 in the forenoon

No. 79.—Shri J. S. Joshi, Income-tax Inspector, Office of the Commissioner of Income-tax, Allahabad, has been promoted to officiate as Income-tax Officer Group-B in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on promotion he joined as Income-tax Officer (Audit) at Allahabad on 30-6-1977 in the forenoon

No 80—Shri I C Chatterjee, Income-tax Inspector, Office of the Commissioner of Income-tax Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer Group-B, in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on promotion he joined as Income-tax Officer, (HQ) Technical and Public Relation Officer. In the Office of the Commissioner of Income-tax, Lucknow on 28-6-1977 in the forenoon.

No 81—Shri B. K. Pande, Income-tax Inspector, Office of the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax (Audit), Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer, Group-B in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on promotion he joined as Income-tax Officer, D-Ward, Bareilly on 30-6-1977 in the forenoon.

S K LALL
Commissioner of Income-tax
Lucknow

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 24th September, 1977

Madras-600 006, the 22nd September 1977

INCOME-TAX

CORRIGENDUM

Sub. —Acquisition proceedings under Chapter XXA of the I.T. Act 1961—Property measuring 5 acres and 4 cents at survey No. 368/4, Karungattangulam, Madurai district.

Ref. —This office letter of even No. dated 16-8-1977 with notice u/s 269D(1) of the Income-tax Act, 1961.

No. F. 45/DEC/76.—In the Schedule to the notice u/s. 269D(1) of the Income-tax Act, 1961, the property purchased by M/s. A. Baskaran and Sureshkumar from Smt. Avadar Ammal and 5 others as per Doc. No. 2189/76 registered on 22-12-1976 by the Sub-Registrar, Chinnamanur has been wrongly described as "Agricultural lands measuring 8 acres and 72 cents in survey Nos. 362/2 (6.60 acres) and 362/1 (2.16 acres) with well and motor pumpset at Karungattangulam village, Chinnamanur". The correct description of the property is as under; which may please be substituted for the above description.

"Agricultural land measuring 5 acres and 4 cents in survey No. 368/4 at Karunkattankulam village, Chinnamanur."

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

OFFICE OF THE
COMMISSIONER OF INCOME TAX DELHI
(CENTRAL) NEW DELHI

Subject. —Jurisdiction—Creation of two new ranges of Inspecting Asstt. Commissioner of—Income Tax (Central), New Delhi.

New Delhi, the 5th September 1977

No. SI/Jun.II/C/77-78/3063.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income Tax Delhi (Central), New Delhi hereby directs that a two new Ranges, known as Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, (Central) Range-IV & Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax (Central) Range-V, New Delhi, shall be created at Delhi.

This order shall come into force with effect from 7-9-77.

Subject :—Jurisdiction—Creation of two new Central Circles at New Delhi.

No. SI/Jur (I)/C/77-78/3062.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124 of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income Tax, Delhi (Central), New Delhi, hereby directs that two new Circles known as Income Tax Officer, Central Circle—XVI & ITO Central Circle-XVII, New Delhi, shall be created at New Delhi.

The Income Tax Officers Central Circle-XVI and Central Circle-XVII New Delhi shall perform their functions in respect of such cases as are assigned to them by the Commissioner of Income Tax or the Board, as the case may be, under sub-section (I) of section 127 of the Income Tax Act, 1961.

This order shall come into force w.e.f. the 7-9-77.

N. S. RAGHAVAN
COMMISSIONER OF INCOME TAX
DELHI (CENTRAL) NEW DELHI.

No. JUR/DLI/II/77-78/24570.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the orders No. JUR/DLI/II/76-77/2667 dated 1-5-76 and JUR/DLI/II/76-77/43305 dated 17-1-77 on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officer mentioned in column 2 of the Schedule herein below shall perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, income or classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer.

SCHEDULE

S No.	Designation of the ITO	Jurisdiction
1.	Income-tax Officer, Distt VI(6), New Delhi	(a) All persons or classes of persons income or classes of income and cases or classes of cases other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax officer Distt. VI (1), New Delhi where names commence with letter 'A' to 'M' (both inclusive) of the alphabet (b) All persons being partners of the firms falling in item (a) above
2.	Income-tax Officer, Distt VI(6-Addl) New Delhi	(a) All persons or classes of persons income or classes of income and cases or classes of cases other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax officer, Distt. VI (1), New Delhi where names commence with letters 'N' to 'Z' (both inclusive) of the alphabets (b) All persons being partners of the firms falling in item (a) above.

This notification shall take effect from 1-10-1977.

A. C. JAIN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi

Amritsar, the 1st October 1977

No. 4 —Shri Des Raj Gupta, Income-tax Officer, Class II retired from government service on 31-8-1977, afternoon.

B. R. ABROL,
Commissioner of Income-tax, Amritsar

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th September 1977

Ref. No AP24/77-78—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. No As per schedule situated at Wajeehpur Bhoma (FZL.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on Jan., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Ram Partap, Ram Narain, Net Ram s/o Sh. Raja Ram, Smt Tulsi, Rameshri d/o Sh. Sri Krishan, Inderjit, Sunder Devi, Sarla Devi d/o Ram Gopal s/o Sh. Krishan, resident at Wajdpur Bhoma, Teh Fazilka.

(Transferor)

(2) S/Sh Harjinder Singh, Gurwinder Singh, Balraj Singh s/o Shri Jarnail Singh s/o Sh Arjan Singh, resident of village Lakadwala, Teh. Muktsar

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 95 Kanal and 1 Marla of land in village Wajdpur Bhoma, Teh Fazilka as mentioned in registration deed No 1603 of January, 1977.

P. N. MALIK
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 30-9-1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th September 1977

Ref. No AP23/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per schedule situated at Wajidpur Bhoma (FZL.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Fazilka on Jan, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Sh Ram Partap, Ram Naram, Net Ram, Raja Ram, Smt Tulsī, Smt. Rameshri d/o Shri Krishan s/o Sh Sardul, Inderjit, Vikramjit, Smt Sunder Devi, Sheela, Sumetra, Sarla Devi d/o Sh. Ram Gopal, resident of Wajidpur Bhoma, Teh. Fazilka.
(Transferor)
- (2) S/Sh Harjinder Singh, Gurwinder Singh, Balraj Singh s/o Shri Jarnail Singh s/o Sh Arjan Singh. resident of village Lakadwala, Teh. Muktsar
(Transferee)
- (3) As per S No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 95 Kanal and 1 Marla in village Wajidpur Bhoma, Teh Fazilka as per registration deed No 1611 of January, 1977.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 30-9-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No AP 25/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Moga Mahila Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 2-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Gurbachan Singh s/o Dharam Singh s/o Chuhar
Singh residence of Moga Mahil Singh Teh Moga.
(Transferor)

(2) M/s. Meenakshi Films Corp Moga. Teh Moga.
(Transferee)

(3) As per S. No 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nine Marlas and three Sarsai land in Moga Mahila Singh as mentioned in registration deed No 6375 dated 2-2-77.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 28-9-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No. A.P.26/77-78—Whereas, I, P. N MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Moga, Mahila Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 1-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Arjan Singh s/o Partap Singh s/o. Chuhan Singh Moga Mahila Singh, Teh Moga
(Transferee)

(2) M/s Meenakshi Films Corp. Moga through Kundan Lal s/o Kanhya Lal partner Moga
(Transferee)

(3) As per S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring per Kan One Kanal five Marlas five Sarsai and nine Squ. feet situated at Moga Mahila Singh as mentioned in registration deed no 6362 dated 1-2-77.

P. N MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 28-9-77
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No A.P 27/77-78—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per scheduled situated at Moga Mahila Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Moga on 15-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arjan Singh s/o Partap Singh s/o Chuhar Singh residence of Agwar Pale Ka Moga Mahila Singh.

(Transferor)

- (2) M/s Meenakshi Films Corp Moga through Sh Harjeet Singh s/o. Sh. Charan Singh residence of Moga

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring One Kanal six Marlas and twenty eight Squ. feet in Moga Mahila Singh in mentioned in registration deed No 6617 dated 15-2-77.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 28-9-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No AP 28/77-78 —Whereas, I P N MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Moga Mahila Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 28-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

9—296GI/77

(1) Shri Arjan Singh s/o. S. Partap Singh s/o Chuhar Singh residence of Moga Mahila Singh Teh. Moga
(Transferee)

(2) M/s Meenakshi Films Corp Moga through Sh Parshotam Lal s/o Sh Parkash Chand residence of Moga
(Transferee)

(3) Any as per S. No 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One plot measuring one Kanal six Marlas and twenty eight Sq. feet situated at Moga Mahila Singh as mentioned in registration deed No 7313 dated 23-3-77

P N MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 29-9-77
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No. A.P.32/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Moga Mahila Singh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 13-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

(1) Shri Mukhtiar Singh s/o. Thakar Singh s/o Hazara Singh Nanak nagari Moga through Madho Parshad s/o Badri Parshad GA, Moga.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh S/o Isher Singh s/o Hazara Singh C/o Kalsi Engg. Works Majestic Road, Moga

(Transferee)

(3) As per S No. 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building consisting of one hall and one office room Area proximately nine marlas as mentioned in registration deed No. 606 dated 13-5-77

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 28-9-77
Seal :

FORM ITNS

(1) Jhanda Ram S/o. Sh. Chanan Ram S/o. Manu Ram
R/o Village Diwan Khara. Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shrimati Ishia Rani D/o Sh. Bhagwan Dass S/o
Lehna Ram R/o Village Kukran Wali Teh. Fatch
Bad Distt. Hissar

(Transferee)

(3) As per S No 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No A.P 33/77-78.—Whereas, I, P N MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. As per schedule situated at V. Diwan Khara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Fazilka on March 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

31 Kanal 1 Mailla of agricultural land in village Diwan
Khara as mentioned in the registration deed No 2418 dated
30-3-77.

P N MALIK

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 28-9-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No A P 34/77-78 --Whereas, I. P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on 12-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Inder Raj & Ram Kumari S/o Sh. Krishan R/o Abohar Teh Fazilka
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar S/o Sh. Banwari Lal R/o Abohar
(Transferee)
- (3) As per S No 2
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

111 Sq yards of agricultural land in village Abohar as mentioned in the Registration deed No 62 dated 12-4-77

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 28-9-1977

Seal

FORM ITNS

(1) Sh. Ajit Singh s/o Sh. Sunder Singh, V Kang

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Punoo, Sh. Amar Singh s/o Sh. Gopi, V. Wajidpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per S No 2

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Bhatinda, the 29th September 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref No A P.35/77-78 —Whereas, L. P. N. MALIK, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Lalewala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on Feb., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 168 Kanal in village Lalewala as mentioned in registration deed No. 4294 dated 3-2-1977

P. N. MALIK

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-9-1977

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th September 1977

Ref No AP 29/77-78—Whereas, I, P N MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at V. Moga Mahil Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 9-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Karnail Singh, Jasmail Singh s. S/o. Sh. Purn Singh, Bikkar Singh, Jaswant Singh Urf Basant Singh, Banta Singh Sh. Darshan Singh S/S/o Amar Singh R/o Moga.

(Transferor)

(2) Sh Ram Krishan, Hari Krishan, Sharn Lal S/S/o Pir Dass Mal, Ram Gopal Sushil Kumar, Kamal Kumar, Pal Kumar S/S/o Sh Panna Lal R/o Moga Mandi.

(Transferee)

(3) As per S No 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Kanal 2 Marlas of agricultural land in village Moga Mahil Singh as mentioned in the Registration deed No. 6462 dated 9-2-77.

P N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 8-9-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Dharam Pal S/o Sh. Jagat Ram S/o Sh. Kanshi Ram R/o Civil Line, Moga

(Transferor)

(2) Sh. Chander Parkash Madan S/o Sh. Sukhdyal R/o G. T. Road, Moga

(Transferor)

(3) As per S No. 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No A.P.30/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at V Moga Mail Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 18-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16 Marlas and 6½ Sarsai of agricultural land in village Moga Mahil Singh as mentioned in the Registration deed No 664 dated 18-5-77

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 28-9-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No. AP 31/77-78—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Grain Mandi Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Moga on Feb 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kalu Ram Urf Rakesh Kumar S/o Ram Saroop cloth merchant, New Town road H. No 31, Moga

(Transferor)

(2) M/s Sita Ram, Narain Dass Commission Agents, Grain Mandi, Moga

(Transferee)

(3) As per S No 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Marlas of agricultural land in village Moga as mentioned in the Registration deed No. 6778 dated 23-2-77

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 28-9-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh Thakur Dass s/o Sh Mahala Ram. Abohai,
Partner, Baluana, Teh Fazilka.

(Transferor)

(2) Sh Chamba Ram s/o Sh Sahib Ditta, R/o
Baluana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda the 29th September 1977

Ref. No AP 36/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Baluana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
Fazilka on 25-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely,—
10—296GI/77

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

40 kanals 1 Mauja of agricultural land in village Baluana
as mentioned in the Registration deed No. 2365 dated
25-3-1977

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 29-9-1977

Seal .

FORM ITNS—

(1) Sh. Baldev Singh s/o Sh. Bhagwan Singh, Khawat-
der, Phagwara Shedgi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Gurmeet Chand s/o Sh. Ujjagar Ram, Palahi
Gate, Phagwara

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 29th September 1977

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Ref. No. AP 37/77-78—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Phagwara Shedgi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on Feb. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

11 Kanal 11 Marlas of agricultural land in Phagwara Shedgi as mentioned in registration deed No. 1614 dated 8-2-1977.

P N MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

Date . 29-9-1977

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 29th September 1977

Ref No A.P.38/77-78—Whereas, I, P N MALIK, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in Feb 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rama Mal s/o Sh. Gujjar Mal, Prop., Chaman Engg. Works, Industrial Area, Phagwara.

(Transferor)

(2) Sh. Wassan Singh s/o Sh. Ranga Singh, Prop. Wasco Industries, Industrial Area, Phagwara

(Transferee)

(3) As per S No. 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 19 measuring 979 sq yards and 4½ sq ft. in Industrial Area, Phagwara as mentioned in registration deed No 1634 of Feb, 1977

P N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bhatinda

Date - 29-9-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 29th September 1977

Ref No AP 39/77-78—Whereas, I, P N MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 9-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh Rama Mal s/o Sh Gujjar Mal, Prop, Char Engg Works, Industrial Area, Phagwara
(Transferor)
- (2) Sh. Abinash Lal s/o Sh Ram Chand, Resident of Thapar Colony, Phagwara
(Transferee)
- (3) As per S No 2
(Person in occupation of the property)
- (4) Any body interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 19-A measuring 979 yards and 4½ sq. ft in Industrial Area, Phagwara as mentioned in registration deed No 1635 of Feb., 1977

P N, MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 29-9-1977
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 29th September 1977

Ref No AP 40/77-78—Whereas, I. P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V Behlam (Nawan Shehar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nawan Shehar in Feb 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Atma Singh s/o Shri Harnam Singh, V. Behlam, Teh Nawan Shehar

(Transferee)

(2) Shri Tarsem Lal, Shri Sohan Lal, Shri Ved Parkash, Shri Joginder Pal, s/o Shri Sadhu Singh (Halwai), V. Behlam, Teh Nawan Shehar

(Transferee)

(3) As per S No. 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60 Kanals situated in village Behlam, Teh Nawan Shehar as mentioned in registration deed No 4563 dated 28-2-1977

P. N. MALIK

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhatinda

Date 29-9-1977

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 5th October 1977

Ref. No. AP 41/77-78.—Whereas, I P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Mirpur Khurd (Mansa), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardulgarh in Feb. 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Lal s/o Shri Partap Rai s/o Shri Ganda Mal, R/o Mirpur Khurd, Teh. Mansa, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar, Shri Vinod Kumar ss/o Shri Kundan Lal s/o Shri Partap Rai, R/o Mirpur Khurd, Teh. Mansa, Now Cinema Road, Mansa.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

60 K and 4½ marlas of agricultural land in village Mirpur Khurd, Teh. Mansa as mentioned in registration deed No. 966 of Feb. 1977 registered with the Sub-Registrar, Sardulgarh.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 5-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 5th October 1977

Ref No BTA/AP 42/77-78 —Whereas, I P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mirpur Khurd (Mansa), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardulgarh on June 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chiman Lal s/o Shri Partap Rai s/o Shri Ganda Mal., Resident of Mirpur Khurd, Teh. Mansa, Distt Bhatinda
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar, Shri Vinod Kumar ss/o Shri Kundan Lal s/o Shri Partap Rai, R/o Mirpur Khurd, Teh Mansa now Cinema Road, Mansa
(Transferee)
- (3) As per S No. 2
(Person in occupation of the property)
- (4) Any body interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

60 Kanal and 4½ marlas of agricultural land in village Mirpur Khurd, Teh. Mansa as mentioned in registration deed No. 622 dated 29-6-1977 registered with the Sub-Registrar, Sardulgarh.

P N MALIK
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 5-10-1977
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, FRANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411 004

Poona-411004, the 27th September 1977

Ref No CA5/Nasik/Feb'77/340—Whereas, I, Smt
P LALWANI,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing NoS. No. 243/3-8, CTS No. 2212 & 2213 situated at Deolali,
Dist. Nasik(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer

at Nasik on 8-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value ofthe aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely,—

- (1) (1) Shri Jivram Ranchoddas Thakkar
- (2) Shri Hirjibhai Ranchoddas Thakkar
- (3) Shri Laxmidas Ranchoddas Thakkar
- (4) Shri Thakaarsy Ranchoddas Thakkar
- (5) Shri Vithaldas Ranchoddas Thakkar

All at House No 101, CTS No 3241, Subhash
Road, Nasik Road

(Transferor)

- (2) (1) Shri Dagdulal Chunilal Gandhi
- (2) Shri Ratilal Chunilal Gandhi

At & Post Kasbe Sukene, Tal Niphad, Dist
Nasik,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later,(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
GazetteEXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open land at Mouje Deolali, Tal & Dist. Nasik, within
Municipal limits of Nasik, S No 243/3-8, C S No 2212
& 2213 half share i.e 517.85 sq mts(Property as described in the Sale Deed registered under
No 103 dated 8-2-77 in the office of the Sub-Registrar,
Nasik)Smt. P LALWANI,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 27-9-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411 004

Poona-411004, the 28th September 1977

Ref No CA5/Nasik/April'77/341.—Whereas, I, Smt. P LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No S No 104/1-B-2/2-1, situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nasik on 8-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Shridhar Nathuji Dhatrak,
Pimpalkhed, Tal Dindori, Near Karanjwan Dam,
Dist Nasik

(Transferor)

(2) Shri Mulji Premji Patel,
Partner of Shri Panchavati Saw Mill,
Peth Road, Panchwati, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property S No 104/1-B-2, 2/1 at Panchvati, Nasik.
Area O-H, 9-R-1 freehold
(Property as described in the Sale deed registered under No. 298 dated 8-4-77 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

Smt. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 28-9-1977.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411 004

Poona-411004, the 30th September 1977

Ref No CA5/Haveli-II/Poona/March'77/343 —Whereas, I, Smt P LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. S No 48/2, Village Nagargaon situated at Vil. Nagargaon, Dist Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 7-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Finolex Cables Ltd. 26-27, Bombay Poona Road, Pimpri. Poona-18.

(Transferor)

(2) M/s Udey Pyrocables Pvt. Ltd
Dina buildings,
53 Mubhshi Karve Road,
Bombay-400002

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No 48/2 at Village Nagargaon, Taluka Maval, Dist Poona Land & Buildings . Area 10 acres 19 Gunthas

(Property as described in the sale deed registered under letter No 4 dated 7-3-1977 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Poona)

Smt P LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, POONA

Date . 30-9-1977.
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWARA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 30th September 1977

Ref No. CA5/Hatkanangale/April '77/342.—Whereas, I, Smt P LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S No 597/2 situated at Ichalkaranji (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hatkanangale on 26-4-77

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Manohar Sadashiv Banavali,
(2) Smt. Nirmal Manohar Banavali,
Ward No. 10, House No. 100, Ichalkaranji.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Sakham Govind Udale,
(2) Shri Bajrang Sakham Udale,
Ward No 5, House No 88, Ichalkaranji

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S.No. 597/2, Ichalkaranji, Tal Hatkanangle Dist. Kolhapur,

Area 0.9 Gunthas (non-agriculture) Land and building, freehold.

(Property as described in the sale deed registered under No 393 dated 26-4-77 in the office of the Sub-Registrar Hatkanangale).

(Smt.) P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, POONA

Date - 30-9-1977.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 1977

Ref. No IAC/Acq.I/1280/Mar-I(13)/76-77.—Whereas J.
J. S GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Shop No 135, situated at Bhagat Singh Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Chand Kalra s/o Shri Kanshi Ram
r/o J-79, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt Asha Chaudhry w/o Shri R. R. Chaudhry
r/o F-69, Bhagat Singh Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 135 measuring 387 sq. ft. situated at Bhagat Singh Market, New Delhi.

J. S. GILL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date :

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 1977

Ret. No IAC/Acq.I/April-II(21)77-78/25.—Whereas I, J S GILL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No E-532, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vijai Vir Wanchoo (Karta, HUF) s/o Shri Hari Har Nath Wanchoo r/o 3, Bhagwan Dass Road, New Delhi, at present C/o Bharat Refinery Training Centre, Trombay House, Juhu, Bombay-400054 through his general attorney Smt Sarup Nehru w/o Shri B K Nehru r/o 1, Western Avenue, Maharani Bagh, New Delhi

(Transferor)

- (2) Shri S. C Chopra s/o I Chajju Ram and Shri, Vinod Chopra s/o Shri S C Chopra r/o J-63, Rajori Garden, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot bearing No. 532, Block E in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi-48 measuring 550 sq. yds, within the limits of the Delhi Municipal Corporation, in the Revenue Estate of Village Bahapur, in the Union Territory of Delhi, and bounded as under :—
North Plot No E-534
South Plot No. E-530
East Service Lane
West Road.

J S. GILL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date :
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 1977

Ref. No IAC/Acq I/April-II(14)/77-78.—Whereas 1,
J S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No M-124, Greater Kailash situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Raksha Tandon w/o Late Shri Harish Chander Tandon r/o Rajiv Farm, Bijwasan, New Delhi through her General Attorney Shri Joginder Pal Kohli r/o Ancharge, Ramchandani Marg, Bombay (Transferor)

(2) 1. Smt R K Singh w/o R C Singh and
2. Shri Rajan Bansal son of Shri R C Singh r/o 229, Bazar Ajmeri Gate, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 124, Block No. 'M' measuring 500 sq yds in the residential colony known as Greater Kailash situate at Village Yaqutpur in the Union Territory of Delhi together with two and half storeyed house built thereon and bounded as under :—

East . Road

West . S Road

North Plot No M-122

South Plot No M-126

J S GILL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date :
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 1977

Ref No JAC/Acq I/1223/Jan 1(5)/76-77 —Whereas I, J S GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No E-71 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11/1/1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Satyamurti Sharma s/o Shri Bala Prasad Sharma and Smt. Prem Sharma w/o Shri Satyamurti Sharma t/o 7/8, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar Gupta s/o Late Shri Bishumbar Dayal Gupta and Smt Santosh Gupta w/o Shri Radhey Shyam Gupta r/o M/17, Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No 71 in Block No. E measuring 220 sq. yds situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under :—

North Plot No E-73
South Plot No E-69
East Service Lane
West Road

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Bhupinder Singh s/o S Mehtab Singh r/o III-G/14, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Naresh Kumar s/o Madan Lal r/o 408, Naya Bansi, Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 10th October 1977

Ref. No. IAC/Acq I/1238/Jan-II(19)/76-77.—Whereas,
I, J S GILL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-449 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No 449 in Block 'E' alongwith a single storeyed house constructed on it in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under :—

East Plot No E-447.

West Plot No E-451

North Service Lane

South Road

J S GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 6th October 1977

No 192/77-78/Acq.—Whereas, I, D C RAJAGOPALAN, Inspecting Asstt Commissioner of Incometax Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal bearing No 674, situated at Raviwarpeth of Belgaum City, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Belgaum under document No 1897 on 10-1-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12-29(G)/77

(1) Shri Basavaraj V Hondad, R/o Tilakwadi, Belgaum
(Transferor)

(2) Shri Shankreppa, Virupakshappa, Bagi, Partner in
M/s S. V. Bagi, Raviwarpeth, Belgaum,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Building at Raviwarpeth, Belgaum City Municipal bearing No 674, measuring site area 966 Sq Ft.

D C RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar

Date 6-10-1977
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, NAGPUR**

Nagpur, the 26th September 1977

No IAC/ACQ/45/77-78.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on 372/240 on plot No 193, Cir. No. 5/10, Nagpur, Central Avenue Scheme, Section III, NIT, Nagpur Juna Bagadganj Layout, Nagpur situated at Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 26-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prabhakar Maiotrao Thakkar, Juni Mangulwar, Ctl. No 5/10, Nagpur
(Transferor)
- (2) Shri Vishram Lekhraj Magnani, Shri Shankar Lekhraj Magnani, Shri Asandas Lekhraj Magnani, Satranji puta Quata Colony, Nagpur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No 193 of Bagadganj Layout Central Avenue Scheme Section III, Nagpur, Area of plot 2400 Sq. ft.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 26-9-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sitaram Koyan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tapan Kumar Guha

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No AC-9/Acq R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I. A. N BHATTACHARYYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 198, situated at Lake Town 'Block A', Cal-55, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-2-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 8 chittaks 22 silt together with 3-storied building thereon situated at 198, Lake Town Block 'A', Calcutta-55.

A. N BHATTACHARYYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 23-9-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Salt Lake Krishtopur Cooperative Land and Housing Society Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Saha Institute Cooperative Colony Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 4th October 1977

Ref. No AC-16/Acq R-IV/Cal/77-78.—Whereas, J. A. N. BHATTACHARYYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Dag No 3527, situated at P. S. Rajarhat, 24-PGs, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 14-1-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1958 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 Bigha 13 cottahs being Dag No. 3527 (present 5537) Kh No 604 situated in Mouza Krishtopur, P. S. Rajarhat, Dist 24-Pgs

A. N. BHATTACHARYYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date . 4-10-1977
Scri .

FORM ITNS—

(1) Shri Natwarlal Agarwal

(Transferee)

(2) Shrimati Manisha Sarkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV

Calcutta, the 6th October 1977

Ref. No AC-17/Acq.R-IV/Cal/77-78 —Whereas, I, A. N. BHATTACHARYYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 164, situated at Prince Anwar Shah Rd., Cal and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 7-1-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

164, Prince Anwar Shah Road, Plot No 5, North Block A/1, P S Tollygunge, vacant land measuring 2 cottahs 3 chittaks 3 sft.

A N BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date 6-10-1977
Seal

FORM ITNS

(1) Shrimati Renu Venkat Ramani C/o V. S. Kushuan,
R/o E-1/120, Arcata Colony, Bhopal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Suraj Kumari Duggal W/o Shri V. M.
Duggal, R/o E-1/44, Arcata Colony, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31st September 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/893 —Whereas, I,
R. K. BALI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Building at Private Sector E-1/120, Village-Shahpura,
Habibganj, Bhopal situated at Shahpura,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bhopal on 12-5-1977,
for apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building at Private Sector E-1/120, Village-Shahpura,
Habibganj, Bhopal.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date - 3-9-1977

Seal -

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd September 1977

Ref No. IAC/ACQ/BPL/891/77-78 —Whereas I, R. K. BALI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Kh. No. 11.2, 11.3, 11.9 (Part) with office building, Store Building and 1.95 Agricultural situated at Harda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda on 3-2-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1 Shri Tribhuvandas, 2. Shri Krishandas, 3 Shri Vishandas, All sons of Shri Ballabhdas Through Power of Attorney Shri Teela Chand S/o Shri Vishwanathji Patel (Gujarati), R/o Evila, Distt.-Nasik

(Transferor)

(2) Shri Ramechandra Agarmal S/o Shri Hazarilal Agarmal, R/o Harda (M P)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No 11.2, 11.3, 11.9 (Part) with office building Store Bldg and 1.95 Agricultural situated at Harda (M.P.)

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-9-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Arpana Devi W/o Shri Das Gupta A M
R/o 28, Kadash Parl Indore (M P)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,(2) Shrimati Saroj Devi Agarmal D/o Shri Mithoolalji
Agarmal. R/o Bhopal Talkies, Hamidia Road,
Bhopal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31d September 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/892/77-78 —Whereas, I,
R K BALI, being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as in the said Act) have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs 25,000/- and bearing
Plot No. 17, Building known as 'Habib Manzil', Ward No 1,
Idgah Hills, Bhopal situated at Bhopal,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bhopal on 11-4-1977,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer, with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No 17, Building known as 'Habib Manzil' Ward
No. 1, Idgah Hills, Bhopal.

R. K BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 3-9-1977
Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Subhash Chander Anand S/o Shri Dhanamvir Anand, r/o XV/5368 Shora Kothi, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhajjan Lal Narula, S/o Shri Jaswant Rai Narula, r/o XV/5368 Shora Kothi, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 10th October 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No IAC/Acq.III/SR III/Feb 606(5)/76-77.—Whereas I, A L SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No 30 situated at Nehru Bazar, Baird Road, Pahar Ganj, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Shop No 30 measuring 19.7 sq yds situated in Baird Road (Nehru Bazar) Pahar Ganj, New Delhi

A L SUD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Syed Shah Mahboob Ahmed Quadri, R/o Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th October 1977

Ref No RAC No.105/77-78.—Whereas, I, K S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 5-3-919 to 923 situated at Moazam Jahi Market, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 28-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

(2) 1 S/Sri Haji Mohd. Hussain, S/o late Haji Mohd. 2 Sri Haji Mohd. Ahmed, 3 Haji Mohammed Anwar, 4 Haji Mohd. Yunus, 5. Haji Mohammed Yaseen, 6 Haji Mohd. Wahced, all are S/os of late Mohd Omer, residing at Mahaboob Manzil, Noor-kan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M No 5-3-919 to 923 situated at Moazam Jahi Market, Hyderabad, admeasuring about 700 Sq. Yds. registered vide Document No. 472/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 7-10-1977

Seal .